RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

औनी-पौनी ही मिले, टीचर को तनख़्वाह।
आप वकालत कीजिए, पैसा बने अथाह।
पैसा बने अथाह, बड़ा बेचारा टीचर।
दुनिया भर के काम, ज़िंदगी मगर फटीचर।
कह साहिल कविराय, वकालत में फुल पैसा।
धन-यश दोनों मिलें, न धंधा कोई ऐसा।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 11 | ISSUE 95 | THURSDAY 16-04-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

पंजाब के वुडन क्रेट टेंडर में बड़ा घोटाला होने की चर्चाएं, पहले BIS नियम की शर्तें की लागू

फिर बेनियमी अलॉट कर डाले 215 करोड़ के टेंडर

लुधियाना/यूटर्न/15 अप्रैल। पंजाब में आए दिन किसी न किसी विभाग में टेंडर घोटाला होने के मामले सामने आते रहते हैं। अब एक नया मामला वुडन क्रेट टेंडर का सामने आया है। जिसमें पंजाब सरकार के कुछ अधिकारियों द्वारा पहले वुडन क्रेट टेंडर के लिए बीआईएस (भारतीय मानक ब्यूरो) की शर्तें लागू कर दी। जिसके बाद कुछ भ्रष्ट अफसरों के हाथ में टेंडर प्रक्रिया आ गई। जिन्होंने आंखें बंद करके कई कंपनियों को करीब 215 करोड़ के टेंडर अलॉट कर डाले। चर्चा है कि जिन कंपनियों को टेंडर दिए गए हैं, उनमें से ज्यादातर बीआईएस सटीर्फाइड हैं ही नहीं। यानि कि पहले तो हाइ स्टैंडर्ड की बातें की गई, लेकिन बाद में जिसे मन आया, उसे टेंडर दे डाला। चर्चा है कि इस टेंडर प्रक्रिया में रिश्वतखोरी का बड़ा खेल हुआ है। जिसमें कुछ भ्रष्ट अधिकारी भी शामिल है। जिन्होंने आपसी मिलीभगत के बाद इस पूरे घोटाले को अंजाम दिया। लेकिन अब देखना होगा कि पंजाब सरकार द्वारा इस मामले में अफसरों पर एक्शन लिया जाता है या नहीं।

१ लाख क्रेट किए जाने हैं तैयार

जानकारी के अनुसार पंजाब सरकार द्वारा साल 2025 में वुडन क्रेट की जरुरत होने के चलते इसका टेंडर लगाया गया। जिसमें बीआईएस के नियमों के तहत टेंडर दिया जाना था। इसके लिए दो लाख वुडन क्रेट तैयार किए जाने हैं। जिसके चलते 215 करोड़ रुपए का यह टेंडर लगाया गया है।

सेटिंग न बैठने पर तीन बार निकाला एक ही टेंडर

चर्चा है कि पहले यह टेंडर जनवरी 2025 में निकाला गया। इस दौरान टेंडर अलॉट हो भी गए। लेकिन फिर कुछ भ्रष्ट अफसरों द्वारा अलॉट हुए टेंडर ही कैंसिल कर डाले। जिसके बाद फिर जून-जुलाई महीने में टेंडर लगाए गए। तब कुछ ठेकेदार हाईकोर्ट चले गए। अफसरों की विदाउट बीआईएस सटीर्फाइड कंपनियों से सेटिंग नहीं बनी तो फिर टेंडर प्रक्रिया रोक दी गई। जिसके बाद दिसंबर 2025 में टेंडर दोबारा लगाकर शर्तें पूरी न करने वाली कंपनियों को अलॉट कर दिए गए।

अफसर बदलते ही बदल गए शर्तें

चर्चा है कि पहले कुछ ईमानदार अफसरों द्वारा इस टेंडर प्रक्रिया को सही से चलाया जा रहा था। जिन्होंने यह शर्तें रखी थी कि जो कंपनियां बीआईएस के मानकों को पूरी करती हैं, वहीं इसमें भाग ले सकती हैं। जिसके बाद सही कंपनियों को टेंडर भी मिल गए। लेकिन इस बीच उक्त ईमानदार अफसरों का तबादला हो गया और नए अफसर नियुक्त हुए। उसमें से कुछ भ्रष्ट अफसरों ने टेंडर कैंसिल कर दिया। जिसके बाद उन्होंने शर्तों में तो बीआईएस ही रखा, लेकिन जब टेंडर दिए तो उन कंपनियों को दे दिए, जिनके पास बीआईएस का सर्टीफिकेट नहीं है। इसी तरह 10 कंपनियों को यह टेंडर दिए गए।

क्या सरकार को बदनाम करने का हो रहा प्रयास

वहीं राज्य की जनता जानती है कि आप सरकार के मुखी सीएम भगवंत मान खुद को ईमानदार है, लेकिन उसकी अफसरशाही में कुछ भ्रष्ट लोग शामिल हैं। जिनकी और से इस तरह के घोटालों को अंजाम दिया जा रहा है। वहीं चर्चा है कि क्या यह सब आप सरकार को बदनाम करने का प्रयास तो नहीं किया जा रहा।

वीआईपी रोड की सोसायटी में फ्लैट में लगी भीषण आग, लाखों का नुकसान

जीरकपुर/यूटर्न/15 अप्रैल। वीआईपी रोड स्थित एक प्रतिष्ठित सोसायटी में उस समय हड़कंप मच गया, जब पांचवीं मंजिल पर बने एक फ्लैट में अचानक भीषण आग भड़क उठी। आग लगने से घर में रखा कीमती सामान जलकर राख हो गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और करीब 45 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ।

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आग लगने की वजह घर के मंदिर में जल रही जोत थी। सोसायटी निवासी सुधीर पासी के अनुसार, यह हादसा मकान नंबर 522 में हुआ, जहां संदीप ग्रोवर अपने परिवार के साथ रहते हैं। बताया जा रहा है कि संदीप ग्रोवर शाम को मंदिर में जोत जलाकर किसी काम से नीचे गए थे। कुछ ही देर बाद फ्लैट से धुआं और आग की लपटें उठती देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि दमकल कर्मियों के पहुंचने तक फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य घरेलू सामान को भारी नुकसान पहुंच चुका था। शुरूआती आकलन के मुताबिक, इस अग्निकांड में करीब 5 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। फायर ब्रिगेड अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि घर में पूजा या अन्य कारणों से जलने वाली जोत और दीयों को कभी भी बिना निगरानी के न छोड़ें, ताकि इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

क्रिकेट टिकट बुकिंग के नाम पर ठगी, आरोपी के खिलाफ केस दर्ज

जीरकपुर/यूटर्न/15 अप्रैल। शहर में ठगी का एक और मामला सामने आया है, जहां भोले-भाले लोगों को क्रिकेट मैच की टिकट बुकिंग के नाम पर ठगने वाले आरोपी के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी की पहचान सतीश वालिया उर्फ हैप्पी निवासी ड्रीम हाउस एसबीपी, नाभा रोड जीरकपुर के रूप में की है। जानकारी के अनुसार, पुलिस स्टेशन जीरकपुर के एएसआई हरविंदर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम हाई ग्राउंड रोड इलाके में तलाशी अभियान चला रही थी। इसी दौरान टीम गोपाल स्वीट्स के पास मौजूद थी, तभी एक मुखबिर ने सूचना दी कि आरोपी लोगों को मोटी कमाई का लालच देकर अपने घर बुलाता है और क्रिकेट मैच की ऑनलाइन टिकट बुकिंग के नाम पर उनके खातों से पैसे ट्रांसफर करवा लेता है। मुखबिर ने यह भी बताया कि आरोपी के पास कई मोबाइल फोन हैं, जिनके जरिए वह अलग-अलग लोगों को निशाना बनाता है। सूचना को पुख्ता मानते हुए पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी।

पुलिस के अनुसार, आरोपी की गतिविधियां गबन से संबंधित धाराओं और भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत अपराध की श्रेणी में आती हैं। इस संबंध में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा और उससे पूछताछ के बाद ठगी के पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा।

जीरकपुर में 'बंसल अमृतसरी कुलचा' विवादों में, खाने में काक्रोच मिलने का वीडियो वायरल

सोशल मीडिया पर उठे सवाल, फूड सेफ्टी जांच की मांग तेज

जीरकपुर/यूटर्न/15 अप्रैल। शहर के वीआईपी रोड स्थित चर्चित रेस्टोरेंट 'बंसल अमृतसरी कुलचा' इन दिनों विवादों में घिर गया है। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो ने रेस्टोरेंट की साफ-सफाई और फूड सेफ्टी मानकों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वीडियो में दावा किया जा रहा है कि ग्राहकों को परोसे गए खाने में काक्रोच मिला, जिससे लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। वायरल वीडियो में कुछ ग्राहक रेस्टोरेंट में बैठकर खाना खाते नजर आते हैं। इसी दौरान उनकी प्लेट में काक्रोच दिखाई देता है, जिसके बाद ग्राहक तुरंत मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू कर देते हैं। वीडियो में ग्राहक रेस्टोरेंट स्टाफ से सवाल करते नजर आते हैं कि आखिर उन्हें किस तरह का खाना परोसा जा रहा है। इस दौरान ग्राहकों की नाराजगी और कर्मचारियों की प्रतिक्रिया भी कैमरे में कैद हो जाती है।

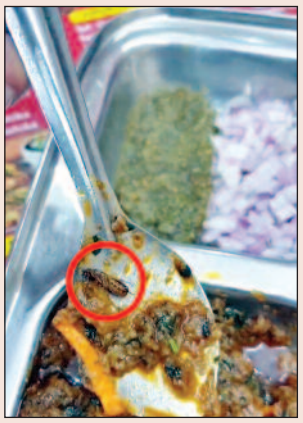

सोशल मीडिया पर भड़का लोगों का गुस्सा

घटना सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। कई यूजर्स ने रेस्टोरेंट की हाइजीन व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि इस तरह की लापरवाही सीधे तौर पर ग्राहकों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है।

लोकप्रिय रेस्टोरेंट, रोजाना उमड़ती है भीड़

स्थानीय लोगों के अनुसार वीआईपी रोड पर स्थित यह रेस्टोरेंट काफी लोकप्रिय है और यहां रोजाना बड़ी संख्या में लोग खाना खाने पहुंचते हैं। ऐसे में इस तरह की घटना सामने आना चिंता का विषय बन गया है। लोगों ने फूड सेफ्टी विभाग से तत्काल जांच कर सच्चाई सामने लाने और दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

फॉर्च्यून पैनोरा 2026: 'यह समझना कठिन है जफर लुधियाना से हैं या लुधियाना जफर से' – मंत्री अरोड़ा

लुधियाना/यूटर्न/15 अप्रैल। दो दिवसीय फॉर्च्यून पैनोरा 2026 - द प्रॉपर्टी फेस्ट इस वर्ष न केवल अपने भव्य आयोजन बल्कि विचारों के प्रभावशाली आदान-प्रदान के कारण भी चर्चा में रहा। रियल एस्टेट क्षेत्र के इस मेगा एक्सपो में 27 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने अपने प्रोजेक्ट्स प्रदर्शित किए, जिससे निवेश और व्यावसायिक गतिविधियों को नई गति मिली।

इवेंट के दूसरे दिन आयोजित 'विजन 2047' टॉक शो ने कार्यक्रम को विशेष आयाम दिया। इस दौरान वैश्विक ख्याति प्राप्त आर्किटेक्ट जफर चौधरी केंद्र में रहे। मुख्य वक्ता कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने मंच से जफर चौधरी की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा, 'यह समझना कठिन है कि जफर लुधियाना से हैं या लुधियाना जफर से जाना जाता है।' उनके इस बयान ने उपस्थित श्रोताओं के बीच खास प्रभाव छोड़ा। मंत्री अरोड़ा ने आगे कहा कि जफर चौधरी की पहचान केवल देश तक सीमित नहीं है, बल्कि विश्वभर में उनके कार्यों के प्रशंसक मौजूद हैं। उन्होंने लुधियाना से जुड़े रहकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने के लिए जफर चौधरी की सराहना की। टॉक शो के दौरान जफर चौधरी ने वर्ष 2047 को ध्यान में रखते हुए लुधियाना, पंजाब और देश के रियल एस्टेट सेक्टर के भविष्य पर अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उन्होंने शहरी विकास, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और सतत विकास की दिशा में नई सोच पर जोर दिया, जिसे श्रोताओं ने गंभीरता से सुना। कार्यक्रम के समापन अवसर पर कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा तथा 'जन हितैषी' और 'यूटर्न टाइम' के मुख्य संपादक संदीप शर्मा द्वारा जफर चौधरी को सम्मानित किया गया। साथ ही अन्य विशिष्ट अतिथियों को भी सम्मान चिन्ह भेंट किए गए।

वीआईपी रोड पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए पुलिस का बड़ा कदम, नया बीट बॉक्स शुरू

24 घंटे निगरानी से अपराध पर लगेगी लगाम, पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर पहल

जीरकपुर/यूटर्न/15 अप्रैल। क्राइम के हॉटस्पॉट के रूप में पहचान बना चुके जीरकपुर के वीआईपी रोड इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस ने अहम कदम उठाया है। इलाके में नया बीट बॉक्स स्थापित कर उसका विधिवत उद्घाटन किया गया। इस पहल के तहत अब क्षेत्र में 24 घंटे पुलिस की मौजूदगी सुनिश्चित करने की दिशा में काम शुरू हो गया है।

बीट बॉक्स का उद्घाटन एएसपी गजलप्रीत कौर ने रिबन काटकर किया। इस मौके पर ट्रैफिक इंचार्ज इंस्पेक्टर मनफूल सिंह, थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सतिंदर सिंह, ढकोली थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सतनाम सिंह और बलटाना पुलिस चौकी इंचार्ज सब इंस्पेक्टर गुरप्रीत सिंह भी मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वीआईपी रोड और आसपास की रिहायशी सोसायटियों में बड़ी संख्या में लोग निवास करते हैं। पिछले कुछ समय से क्षेत्र में चोरी, झपटमारी और अन्य आपराधिक घटनाओं में बढ़ोतरी देखी जा रही थी। इसे गंभीरता से लेते हुए बीट बॉक्स की स्थापना की गई है। अधिकारियों के अनुसार, बीट बॉक्स में तैनात पुलिस कर्मी लगातार इलाके की निगरानी करेंगे, जिससे संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत नजर रखी जा सकेगी और किसी भी घटना पर त्वरित कार्रवाई संभव होगी। साथ ही, स्थानीय लोगों के साथ समन्वय बनाकर पुलिस-पब्लिक तालमेल को भी मजबूत किया जाएगा। पुलिस ने बताया कि यह पहल फिलहाल पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू की गई है। इसके सकारात्मक परिणाम मिलने पर जीरकपुर के अन्य संवेदनशील इलाकों में भी इस तरह के बीट बॉक्स स्थापित किए जाएंगे।

बिजली विभाग की लापरवाही से खेतों में लगी आग, किसानों का भारी नुकसान

जेई पर बदसलूकी के आरोप, कार्रवाई और मुआवजे की मांग

डेराबस्सी/यूटर्न/15 अप्रैल। मंगलवार को गांव जौला खुर्द में बिजली विभाग की कथित लापरवाही के चलते खेतों में आग लग गई, जिससे किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ा। आग लगने से सरदार तरलोचन सिंह और सरदार परमिंदर सिंह (पूर्व सरपंच) की गेहूं की फसल के नाड़ (पराली/अवशेष) जलकर राख हो गए।

पीड़ित किसानों का आरोप है कि यह घटना बिजली विभाग की अनदेखी के कारण हुई है और इसके लिए लालडू के जेई राजिंदर सिंह जिम्मेदार हैं। किसानों का कहना है कि जब उन्होंने इस संबंध में जेई से बात की तो उन्होंने न केवल लापरवाही दिखाई, बल्कि उनके साथ बदसलूकी भी की। किसानों के अनुसार, जेई ने कहा, 'अगर आग लग गई तो क्या हो गया,' जिससे किसानों में रोष है। घटना के बाद किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और उन्हें हुए नुकसान का उचित मुआवजा दिया जाए। इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन (लखोवाल) के ब्लॉक प्रधान डेराबस्सी रणजीत सिंह राणा समेत जगतार सिंह झरमड़ी, गुरदीप सिंह, जगदीप सिंह, महकप्रीत सिंह, परमजीत सिंह और बलजीत सिंह मौजूद रहे। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन तेज करने को मजबूर होंगे।

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

पेज 06 CBSE 10वीं रिजल्ट घोषित, मुदित जैन पंजाब टॉपर...

अभी परिसीमन का मतलबः भारत का राजनीतिक नक्शा फिर से बनाना, क्या इससे बीजेपी को फायदा नहीं होगा?

लुधियाना/यूटर्न/15 अप्रैल। भारत एक ऐसे बड़े राजनीतिक बदलाव की दहलीज पर खड़ा है, जो पूरे देश में प्रतिनिधित्व को नए सिरे से परिभाषित कर सकता है। अगला जनगणना के बाद प्रस्तावित परिसीमन, सिर्फ चुनावी क्षेत्रों की सीमाएँ फिर से तय करने के बारे में नहीं है, बल्कि यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में सत्ता के संतुलन को फिर से साधने के बारे में है। सिद्धांत रूप में, परिसीमन यह सुनिश्चित करने की कोशिश करता है कि संसद का हर सदस्य नागरिकों की बराबर संख्या का प्रतिनिधित्व करे। हालाँकि, इस संवैधानिक प्रक्रिया को 1970 के दशक से रोक दिया गया था, ताकि उन राज्यों को नुकसान न हो जिन्होंने जनसंख्या वृद्धि को सफलतापूर्वक नियंत्रित किया था। 2026 के बाद यह रोक हटने वाली है, और देश दशकों में संसदीय सीटों के सबसे बड़े पुनर्वितरण के लिए तैयार हो रहा है।

लोकसभा की सीटें 850 हो सकती हैं...इस बदलाव के दायरे को और बढ़ाने वाला एक प्रस्ताव लोकसभा की सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर लगभग 850 करने का है। हालाँकि इस विस्तार को महिला आरक्षण के लागू होने से जोड़ा जा रहा है, लेकिन यह राज्यों के बीच राजनीतिक प्रभाव को काफी हद तक फिर से आकार देने का रास्ता भी खोलता है। इसकी मुख्य वजह भारत की असमान जनसांख्यिकीय प्रवृत्तियाँ हैं। उत्तरी और मध्य क्षेत्रों के राज्य, जहाँ जनसंख्या वृद्धि दर ज्यादा रही है, उन्हें सीटों का बड़ा हिस्सा मिलने की संभावना है। इसके विपरीत, दक्षिणी राज्य, जिन्होंने जनसंख्या स्थिरीकरण हासिल कर लिया है, उनका सापेक्ष प्रतिनिधित्व कम हो सकता है। इसलिए, यह मुद्दा सिर्फ गणित का नहीं, बल्कि समानता का है।

आखिरकार कौन सी पद्धति अपनाई जाएगी ?

इस बात को लेकर भी अनिश्चितता है कि आखिरकार कौन सी पद्धति अपनाई जाएगी। जनसंख्या पर आधारित एक सख़्त फॉर्मूला देश के राजनीतिक नक्शे को पूरी तरह बदल देगा, जबकि एक ज्यादा संतुलित नजरिया, जिसमें विकास के संकेतकों को भी शामिल किया जाए, क्षेत्रीय असमानताओं को दूर करने की कोशिश कर सकता है। हर रास्ते के अपने नतीजे होते हैं, चाहे वे राजनीतिक हों या संवैधानिक। परिसीमन का समय इसकी अहमियत को और भी बढ़ा देता है। महिलाओं के लिए आरक्षण जल्द ही लागू होने वाला है; ऐसे में सीटों का यह नया बँटवारा न सिर्फ क्षेत्रीय सत्ता समीकरणों को आकार देगा, बल्कि आने वाले कई सालों तक संसद में लैंगिक प्रतिनिधित्व को भी तय करेगा।

यह एक सामान्य बदलाव नहीं

इसलिए, जो कुछ हो रहा है, वह महज एक सामान्य प्रशासनिक बदलाव नहीं है, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक विकास का एक निर्णायक पल है। आने वाले सालों में जो फैसले लिए जाएँगे, उनसे यह तय होगा कि क्या ₹एक व्यक्ति, एक वोट₹ का सिद्धांत, राज्यों के बीच संतुलन बनाए रखने की जरूरत के साथ-साथ चल सकता है या नहीं। जैसे-जैसे भारत अपने राजनीतिक नक्शे को फिर से बनाने की तैयारी कर रहा है, उसके सामने यह चुनौती होगी कि वह यह सुनिश्चित करे कि इस पूरी प्रक्रिया से उसके संघीय लोकतंत्र की नाजुक बनावट कमजोर होने के बजाय और भी मजबूत हो।

राजनीतिक बहस भी छेड़ी...इस उभरते असंतुलन ने एक राजनीतिक बहस भी छेड़ दी है। उत्तरी राज्यों से सीटों में संभावित वृद्धि, कम से कम मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में, भारतीय जनता पार्टी के फायदे में जा सकती है, जिसका इन क्षेत्रों में, खासकर 2029 में, एक मजबूत चुनावी आधार है। इसके विपरीत, दक्षिणी राज्य जहाँ पार्टी को ऐतिहासिक रूप से मजबूत क्षेत्रीय विरोध का सामना करना पड़ा है। संसद में अपना सापेक्ष प्रभाव कम होता देख सकते हैं, जिससे राष्ट्रीय सत्ता समीकरणों में बदलाव को लेकर चिंताएँ बढ़ सकती हैं।

राज्यों को इनाम मिलने का जोखिम...आलोचकों का तर्क है कि पूरी तरह से जनसंख्या-आधारित दृष्टिकोण अपनाने से उन राज्यों को इनाम मिलने का जोखिम है। जहाँ जनसंख्या वृद्धि ज्यादा हुई है, जबकि उन राज्यों को सजा मिल सकती है जिन्होंने सामाजिक विकास और परिवार नियोजन में निवेश किया है। इस बहस ने, बदले में, इस बारे में गहरे सवाल फिर से खड़े कर दिए हैं कि एक विविध और असमान राजनीतिक व्यवस्था में निष्पक्ष प्रतिनिधित्व किसे माना जाए।

पी.एस.आई.ई.सी. ने औद्योगिक प्लॉटों के लिए मालिकाना हक खोले

ज़ीरो स्टाम्प ड्यूटी के साथ लीज़होल्ड प्लॉटों को फ्रीहोल्ड में तब्दील करवाने का एकमात्र मौका

लीज़होल्ड प्लॉटों को फ्रीहोल्ड में तब्दील करवाने के मुख्य फ़ायदे:

1. 30.04.2026 तक प्राप्त होने वाले आवेदनों के लिए लीज़होल्ड औद्योगिक संपत्तियों को फ्रीहोल्ड में तब्दील करते समय कन्वेयंस डीड रजिस्ट्रेशन पर स्टाम्प ड्यूटी से एकमुश्त मुक्कमल छूट।
2. फ्रीहोल्ड प्लॉटों के लिए पोस्ट-अलॉटमेंट सेवाओं को सरल बनाकर इन्हें केवल दो हेड में विभाजित किया गया है—5 अनिवार्य और 18 वैकल्पिक सेवाएं; आगे इन्हें तीन यूनिफाइड कैटेगरीज़ में शामिल किया गया है, जिससे अलॉटियों के लिए व्यापार करने की आसानी और कार्यकुशलता में महत्वपूर्ण सुधार होगा।
3. फ्रीहोल्ड प्लॉटों से संबंधित सभी सेवाओं के लिए समय-सीमाओं को तर्कसंगत बनाया और कम किया गया है। इसके अलावा तेज़ निर्णय सुनिश्चित करने के लिए ऐसे मामलों के निपटारे हेतु एस्टेट ऑफिसर (ई.ओ.) को सर्वोच्च प्राधिकरण के रूप में नामित किया गया है।
4. बैंकों/एनबीएफसीज़ के पास गिरवी रखी गईं लीज़होल्ड संपत्तियां फ्रीहोल्ड में तब्दील करने के योग्य होंगी, बशर्ते संबंधित बैंक/एनबीएफसी से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी) जमा कराया जाए।
5. फ्रीहोल्ड प्लॉट धारकों को हलफनामे के स्थान पर स्वयं-घोषणा पत्र जमा करने की अनुमति होगी, जिससे प्रक्रिया से जुड़ी विभिन्न आवश्यकताएं सरल हो जाएंगी।
6. जिन मामलों में मौजूदा लीज़होल्ड समझौते में मुल्य वृद्धि (अनअर्न्ड इन्क्रीज) के लिए कोई प्रावधान नहीं, वहां संपत्ति को फ्रीहोल्ड में तब्दील करवाते समय यह लागू नहीं होगा।
7. परिवार के भीतर किए जाने वाले हस्तांतरण, जिनमें उत्तराधिकार तथा आवंटी की मृत्यु के बाद होने वाले हस्तांतरण शामिल हैं, के मामलों में, जब लीज़होल्ड से फ्रीहोल्ड में तबादले का विकल्प अपनाया जा रहा हो तब कोई मुल्य वृद्धि (अनअर्न्ड इन्क्रीज) चार्ज नहीं लिया जाएगा।
8. यदि आवेदन 30.04.2026 तक या उससे पहले जमा किए जाते हैं, तो अलॉटी लीज़होल्ड से फ्रीहोल्ड में तबादले पर 1,800 रुपये प्रति वर्ग गज़ के हिसाब से बचत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। वास्तविक बचत लाभ स्थान और लागू कलेक्टर दरों के आधार पर अलग-अलग हो सकते हैं।

स. भगवंत सिंह मान
मुख्यमंत्री, पंजाब

पंजाब लघु उद्योग एवं निर्यात निगम लिमिटेड

ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी गिरोह का भंडाफोड़: डिटेक्टिव स्टाफ पंचकूला की बड़ी कार्रवाई, 4 ट्रैक्टर व 1 ट्रॉली बरामद

पुलिस टीम ने हिमाचल, हरियाणा व पंजाब में पीछा करते हुए आरोपी को किया काबू

पंचकूला/यूटर्न/15 अप्रैल। पंचकूला पुलिस के डिटेक्टिव स्टाफ की टीम ने इंस्पेक्टर निर्मल सिंह के नेतृत्व में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस टीम ने इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी की गई 4 ट्रैक्टर व 1 ट्रॉली बरामद की हैं। यह मामला थाना पिंजौर में दर्ज किया गया था, जिसमें शिकायतकर्ता राम करण ने बताया कि उसका ट्रैक्टर-ट्रॉली इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास से अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

प्रारंभिक जांच में कोई सुराग नहीं मिलने पर मामले को डिटेक्टिव स्टाफ पंचकूला को सौंपा गया। डिटेक्टिव स्टाफ की टीम ने लगभग 300 सीसीटीवी फुटेज खंगालकर तथा गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 11 अप्रैल 2026 को आरोपी जगतार सिंह उर्फ गोरा निवासी जिला पटियाला (पंजाब) को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान पुलिस टीम ने आरोपी से चोरीशुदा ट्रैक्टर-ट्रॉली बरामद की। आगे की पूछताछ में आरोपी ने अन्य चोरी की वारदातों का भी खुलासा किया, जिसके आधार पर पुलिस ने कुल 4 ट्रैक्टर व 1 ट्रॉली बरामद की हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 30-40 लाख रुपये है। इसके अलावा आरोपी के खिलाफ पंजाब में पहले से ही दो आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

बरामद किए गए वाहनों में स्वराज और सोनालिका कंपनियों के ट्रैक्टर शामिल हैं, जिन्हें पंचकूला के अलग-अलग स्थानों से चोरी किया गया था। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है तथा मामले में आगे की जांच जारी है। साथ ही गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश भी जारी है।

एसीपी क्राइम श्री अरविंद कम्बोज ने इस सफलता पर डिटेक्टिव स्टाफ की टीम की सराहना करते हुए कहा कि, ह्वपंचकूला पुलिस अपराध पर अंकुश लगाने के लिए लगातार सक्रिय है। इस मामले में टीम ने प्रोफेशनल तरीके से काम करते हुए चोरी के गिरोह का पर्दाफाश किया है। आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी। वहीं डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक श्री अमरिंदर सिंह ने कहा कि, ह्ववाहन चोरी जैसे अपराधों पर सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की सतर्कता और तकनीकी जांच के चलते आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार किया गया। आमजन से अपील है कि अपने वाहनों की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

ऑपरेशन स्माइल: पंचकूला पुलिस ने 3 किशोरियों व 1 महिला को सकुशल ढूंढकर परिवार से मिलाया

साइबर सेल की तकनीकी सहायता, त्वरित कार्रवाई और संवेदनशील पुलिसिंग से मिली सफलता

पंचकूला/यूटर्न/15 अप्रैल। पंचकूला पुलिस द्वारा ऑपरेशन स्माइल के तहत लापता व्यक्तियों को तलाशने के अभियान में एक और सराहनीय सफलता हासिल की गई है। अलग-अलग मामलों में लापता हुई 3 किशोरियों और 1 महिला को पुलिस टीमों ने सुरक्षित बरामद कर उनके परिजनों से मिलवाया। इस दौरान परिजनों ने पंचकूला पुलिस का आभार व्यक्त किया और पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की।

पहला मामला: खाटूश्याम जी दर्शन के लिए घर से निकली दो सहेलियां

पहले मामले में दो नाबालिग सहेलियां—एक पंचकूला और दूसरी चंडीगढ़ की निवासी—बिना बताए घर से निकलकर खाटूश्याम जी मंदिर दर्शन के लिए चली गई थीं।

मामले की सूचना मिलते ही पुलिस पोस्ट सेक्टर-16 की टीम ने महिला मुख्य सिपाही सुनीता के

नेतृत्व में तत्परता दिखाते हुए कार्रवाई शुरू की। साइबर सेल पंचकूला की तकनीकी सहायता से दोनों लड़कियों की लोकेशन ट्रेस की गई और उन्हें दिल्ली से सकुशल बरामद कर उनके परिवारों को सौंपा गया।

दूसरा मामला: परीक्षा में कम अंक आने पर घर छोड़कर गई किशोरी

दूसरे मामले में थाना सेक्टर-20 क्षेत्र की एक किशोरी, स्कूल परीक्षा में कम अंक आने के कारण परिजनों की डांट से नाराज होकर घर से बिना बताए चली गई थी। इस पर महिला एएसआई कविता के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए तकनीकी सहायता से उसकी लोकेशन ट्रेस की और उसे दिल्ली से सुरक्षित बरामद कर परिवार को सौंप दिया।

तीसरा मामला: महिला को उत्तरप्रदेश से किया बरामद

तीसरे मामले में पुलिस पोस्ट सेक्टर-19 की टीम ने एएसआई जसवीर के नेतृत्व में एक महिला, जो बिना बताए घर से चली गई थी, को उत्तरप्रदेश से सकुशल बरामद किया और उसके परिजनों के सुपुर्द किया।

परिजनों ने पंचकूला पुलिस का दिल से धन्यवाद किया और पुलिस की संवेदनशीलता व तत्परता की सराहना की। इस अवसर पर डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता ने कहा, 'ऑपरेशन स्माइल के तहत पंचकूला पुलिस लापता बच्चों और महिलाओं को सुरक्षित उनके परिवार तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत है। हमारी प्राथमिकता हर व्यक्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना और परिवारों के चेहरों पर मुस्कान वापस लाना है। पुलिस की टीमें तकनीकी संसाधनों और मानवीय दृष्टिकोण के साथ ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई करती हैं।

5वीं मंजिल से कूदी युवती, स्कूटी पर आई, बैग से आधार कार्ड और लंच बॉक्स मिला

मोहाली/यूटर्न/15 अप्रैल। मोहाली के सिटी सेंटर में एक युवती 5वीं मंजिल से कूद गई। पुलिस को युवती का बैग मिला है। उसमें मोबाइल व अन्य सामान बरामद हुआ है। युवती अंबाला की रहने वाली है। पुलिस सभी एंगलों पर जांच कर रही है।

सिटी सेंटर चंडीगढ़ एयरपोर्ट रोड पर स्थित है। वहां से पुलिस को सूचना मिली थी कि युवती ने 5वीं मजिल से छलांग लगाई है। मौके पर पहुंचे मोहाली पुलिस के अधिकारी संजय ने बताया कि जब तक हमारी टीम पहुंची तब तक युवती को अस्पताल ले जाया जा चुका था। युवती की स्कूटी से एक आधार कार्ड मिला है। उसके आधार पर ही पेरेंटस को सूचना दी गई है। उन्होंने बताया कि युवती की हालत गंभीर है। उसकी पहचान तान्या के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, तान्या एक्टिवा पर आई थी। जो बैग मिला है, उसमें एक्टिवा की चाभी व लंच बॉक्स मिला है। लड़की ने खुद छलांग लगाई है या किसी ने उसे वहां से धक्का दिया? इस एंगल पर पुलिस जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि लड़की वर्किंग है। हालांकि, वह कहां काम करती है, इस बारे में पेरेंटस के आने के बाद साफ होगा। थाना एयरोसिटी के एसएचओ अमनदीप सिंह ने बताया कि यह घटना बुधवार दोपहर के समय हुई। युवती जीरकपुर में एक निजी अस्पताल में भर्ती है।

जबरन दबंगई: उलाहना देने गई दलित युवती और उसके किन्नर भाई को बेरहमी से पीटा

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/15/अप्रैल। जगरांव के नजदीकी गांव कोठे राहला में मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहाँ एक दबंग युवक द्वारा एक दलित परिवार की युवती और उसके किन्नर भाई की बेरहमी से पिटाई की गई। गंभीर रूप से घायल पीड़िता पिछले पांच दिनों से सिविल अस्पताल जगरांव में उपचाराधीन है। पीड़ित परिवार ने अब स्थानीय पुलिस पर रसूखदार पक्ष की मदद करने और कार्यवाही न करने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

क्या है पूरा मामला ?

पीड़ित युवती ने अस्पताल में मीडिया को अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि उनके ही गांव का एक उच्च जाति का युवक पिछले लंबे समय से उसके किन्नर भाई के साथ अश्लील हरकतें और भद्दे मजाक करता आ रहा था। युवक की हरकतों से तंग आकर जब युवती अपने भाई के साथ युवक के घर 'उलाहना' (शिकायत) देने पहुँची, तो युवक आगबबूला हो गया। पीड़िता के अनुसार, जब वह युवक की माता से बात कर रही थी, तभी युवक ने तैश में आकर अपनी मां के साथ मिलकर उन पर हॉकी से हमला कर दिया। हमला इतना भीषण था कि युवती बेहोश हो गई। शोर सुनकर इकट्ठा हुए ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर युवक को पकड़ा, जिससे उनकी जान बच सकी।

पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

पीड़ित परिवार का आरोप है कि पुलिस इस मामले में न्याय देने के बजाय रसूखदार पक्ष का साथ दे रही है।

पीड़िता ने बताया : बयानों में हेरफेर : पीड़िता के अनुसार, एक पुलिस अधिकारी बयान लेने आया था, लेकिन उसने उनकी पूरी बात लिखने के बजाय केवल हस्ताक्षर करवा लिए।

कार्यवाही में देरी : घटना के पांच दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक कोई ठोस कानूनी कार्यवाही या गिरफ्तारी नहीं हुई है।

धमकी का माहौल : पीड़ित पक्ष का कहना है कि आरोपी परिवार पैसे और रसूख के बल पर उन्हें धमका रहा है और मन मुताबिक बयान देने का दबाव बना रहा है। उन्हें अपनी जान-माल का खतरा महसूस हो रहा है।

'हम गरीब और दलित परिवार से हैं, शायद इसीलिए हमारी सुनवाई नहीं हो रही। आरोपी पक्ष अपनी पहुंच का इस्तेमाल कर पुलिस को प्रभावित कर रहा है।'
-पीड़िता

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

पेज 12 अन्नदाता को नहीं होगी परेशानी: पंग्रेन चेयरमैन...

शहरी स्थानीय निकाय चुनाव: पंचकूला, अंबाला, सोनीपत में 10 मई को वोटिंग

चंडीगढ़/यूटर्न/15 अप्रैल। हरियाणा राज्य चुनाव आयोग ने सोमवार को पंचकूला, अंबाला और सोनीपत नगर निगमों के चुनावों की घोषणा कर दी। नगर निगम मेयर पद के लिए चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के लिए खर्च की सीमा 30 लाख रुपये तय की गई है, जबकि सदस्य पद के लिए यह सीमा 7.50 लाख रुपये रखी गई है। नामांकन 21 अप्रैल से 25 अप्रैल तक स्वीकार किए जाएंगे। नामांकनों की जांच 27 अप्रैल को होगी, जबकि नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 28 अप्रैल है। इसी दिन चुनाव चिह्न भी आवंटित किए जाएंगे। यदि दोबारा मतदान की आवश्यकता हुई, तो यह 12 मई को कराया जाएगा और परिणाम 13 मई को घोषित किए जाएंगे। मुख्य मुकाबला कांग्रेस और सत्ताधारी पार्टी भाजपा के बीच होने की उम्मीद है। दोनों पार्टियों ने पहले ही अपने-अपने चुनाव चिह्नों पर चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में छद्मऋृसंकट और स्थानीय मुद्दे हावी रहने की संभावना है।

चुनाव में बैंक घोटाले के मामले में रह सकते हावी

पंचकूला में, 150 करोड़ रुपये के कोटक महिंद्रा बैंक घोटाले और 590 करोड़ रुपये के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक घोटाले से जुड़े आरोप भी हावी रहने की संभावना है। इन दोनों घोटालों में पंचकूला नगर निगम का पैसा शामिल है। पंचकूला और अंबाला, दोनों में 20-20 वार्ड हैं, जबकि सोनीपत में 22 वार्ड हैं। पंचकूला और सोनीपत में मेयर के पद अनारक्षित हैं, जबकि अंबाला में मेयर का पद पिछड़े वर्ग (इ) की महिला के लिए आरक्षित है।

रेवाड़ी नगर परिषद के लिए भी चुनाव होंगे

इन नगर निगमों के अलावा, रेवाड़ी नगर परिषद के लिए भी चुनाव होंगे, जहां अध्यक्ष का पद अनुसूचित जाति की महिला के लिए आरक्षित है। रेवाड़ी नगर परिषद में 32 वार्ड हैं। उकलाना (हिसार), धारूहेड़ा (रेवाड़ी) और सांपला (रोहतक) की नगर समितियों के लिए भी चुनाव होंगे; इन सभी में 16-16 वार्ड हैं। सांपला और धारूहेड़ा में अध्यक्ष का पद अनारक्षित है, जबकि उकलाना में यह महिला उम्मीदवार के लिए आरक्षित है। इन स्थानीय निकायों के क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है।

चंडीगढ़ ऑपरेशन सेल की बड़ी कार्रवाई, दो हथियार सप्लायर गिरफ्तार

एमपी-यूपी से लाकर गैंगस्टरों को करते थे हथियार सप्लाई

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/15 अप्रैल। ऑपरेशन सेल थाना पुलिस ने शहर में सक्रिय गैंगस्टर नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बंबीहा और लकी पटियाल गैंग को हथियार सप्लाई करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक पिस्तौल, एक देसी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पकड़े गए आरोपियों की पहचान इंदिरा कॉलोनी निवासी कांडू और राहुल उर्फ रैली के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी कांडू का पहले से आपराधिक रिकॉर्ड भी मौजूद है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी कांडू मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से अवैध हथियार लाकर चंडीगढ़ में गैंगस्टरों के गुर्गों को सप्लाई करता था। पुलिस को शक है कि आरोपी शहर में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की साजिश के तहत हथियार लेकर पहुंचे थे।

इस पूरी कार्रवाई की शुरूआत एक गुप्त सूचना से हुई। ऑपरेशन सेल को जानकारी मिली थी कि हथियार सप्लायर बंबीहा और लकी पटियाल गैंग के सदस्यों को हथियार पहुंचाने के लिए चंडीगढ़ आ रहे हैं। यह सूचना इंस्पेक्टर हरिंदर सेखों को मिली, जिन्होंने तुरंत

मामले की जानकारी डीएसपी विकास श्योकंद को दी। इसके बाद आरोपियों को पकड़ने के लिए विशेष टीम का गठन किया गया। मंगलवार देर रात पुलिस टीम ने मौली जागरां और हल्लो माजरा रोड के आसपास नाकाबंदी कर सघन चेकिंग शुरू की। इसी दौरान दो संदिग्ध युवक जंगल की ओर जाते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन दोनों मौके से भागने लगे। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए उनका पीछा किया और कुछ दूरी पर दोनों को पकड़ लिया।

तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से अवैध हथियार और कारतूस बरामद हुए। इसके बाद उन्हें हिरासत में लेकर ऑपरेशन सेल कार्यालय में पूछताछ की गई। सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया है कि वे पहले भी चंडीगढ़ में 6 से 7 हथियार सप्लाई कर चुके हैं।

फिलहाल पुलिस इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपियों ने किन-किन लोगों को हथियार मुहैया कराए और उनका इस्तेमाल किन आपराधिक वारदातों में होना था। ऑपरेशन सेल की टीमें इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही हैं।

कनाडा से पंजाब तक ड्रग ओवरडोज का खतरा, बढ़ते आंकड़ों ने बढ़ाई वैश्विक चिंता

चंडीगढ़/यूटर्न/15 अप्रैल। नशे के खिलाफ लड़ाई दुनिया भर में बड़ी चुनौती बन चुकी है। कनाडा और पंजाब की स्थिति भले अलग नजर आती हो, लेकिन ड्रग ओवरडोज से होने वाली मौतों ने दोनों जगह गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जहां कनाडा में मौतों का आंकड़ा 18 हजार से अधिक पहुंच चुका है, वहीं पंजाब में भी हर साल दर्ज हो रही मौतें चिंता बढ़ा रही हैं। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में वर्ष 2016 में सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किए जाने के दस वर्ष पूरे होने पर कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 'मॉम्स स्टॉप द हार्म' और 'डॉक्टर्स फॉर सेफर ड्रग पॉलिसी' जैसे संगठन रैलियां, श्रद्धांजलि सभाएं, कला प्रदर्शनियां और वेबिनार के माध्यम से लोगों को जागरूक कर रहे हैं। इन आयोजनों के जरिए सरकार से नशे से होने वाली मौतों को रोकने के लिए और ठोस कदम उठाने की मांग की जा रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले वर्ष ब्रिटिश कोलंबिया में 1,833 लोगों की ओवरडोज से मौत हुई। यह आंकड़ा पिछले साल की तुलना में 21 प्रतिशत कम जरूर है, लेकिन 2015 के मुकाबले अब भी लगभग चार गुना ज्यादा है। स्वास्थ्य विभाग ने उपचार, पुनर्वास और हार्म रिडक्शन कार्यक्रमों को और मजबूत करने की बात कही है। उधर पंजाब में स्थिति अपेक्षाकृत सीमित दिखती है, लेकिन खतरा यहां भी लगातार बना हुआ है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, राज्य में 2021 में 78, 2022 में 144 और 2023 में 89 लोगों की मौत ड्रग ओवरडोज से हुई। लगातार दूसरे वर्ष देश में सबसे अधिक ऐसे मामले पंजाब से सामने आए हैं।

राजनीतिक दलों के बीच भी यह मुद्दा चर्चा का केंद्र बना हुआ है। विपक्ष सरकार पर नशा तस्करी रोकने में विफल रहने के आरोप लगा रहा है, जबकि सरकार का कहना है कि एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और अन्य एजेंसियों के जरिए सख्त कार्रवाई जारी है। विशेषज्ञों का मानना है कि चाहे कनाडा हो या पंजाब, समस्या की जड़ एक जैसी है—अवैध ड्रग्स की उपलब्धता और बढ़ती लत। कनाडा में फेंटानिल जैसे शक्तिशाली ओपिओइड्स ने संकट को गहरा किया है, जबकि पंजाब में तस्करी नेटवर्क अब भी बड़ी चुनौती बने हुए हैं।

दशम पिता जी ने आज विश्व मानचित्र पर पंजाब को आशीर्वाद दिया - गोशा

लुधियाना/यूटर्न/15 अप्रैल। खालसा दिवस को समर्पित और गुरुद्वारा साहिब के पूर्व चेयरमैन, स्वर्गीय गुरिंदरपाल सिंह पप्पू की याद में, गुरुद्वारा चेत राम साहिब में 12वां मेडिकल कैंप आयोजित किया गया। 300 मरीजों ने इस कैंप का लाभ उठाया। इस अवसर पर, भाजपा के मीडिया पैनलिस्ट सरदार गुरदीप सिंह गोशा ने गुरु साहिब जी और संगत का आशीर्वाद लिया और बोलते हुए कहा कि साहिब गुरु गोबिंद सिंह महाराज ने 1699 में इतिहास रचा और पंजाब को विश्व मानचित्र पर आशीर्वाद दिया। उन्होंने आनंदपुर साहिब की धरती पर खालसा की स्थापना की और 'पंज प्यारे' बनाकर उन्हें बुराइयों के खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित किया।

सुखमनी इंटरनेशनल स्कूल का शत-प्रतिशत परिणाम, पिहू रानी ने 98.8% अंक लेकर किया टॉप

डेराबस्सी/यूटर्न/15 अप्रैल। श्री सुखमनी इंटरनेशनल स्कूल (एसएसआईएस) ने कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में शत-प्रतिशत परिणाम हासिल कर क्षेत्र में गौरव बढ़ाया है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि से विद्यालय परिसर में हर्ष और उत्साह का माहौल है। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन में पिहू रानी ने 98.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनके बाद चिन्मयी ने 96.4 प्रतिशत, ताशी सिसोदिया ने 95.6 प्रतिशत, दिव्यांशी गौर ने 94.4 प्रतिशत तथा इक्षुला आर्य ने 90.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

विषयवार परिणाम भी रहे उत्कृष्ट

विभिन्न विषयों में भी विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। विज्ञान विषय में पिहू रानी, दिव्यांशी और ताशी सिसोदिया ने 100 में से 100 अंक हासिल किए। गणित में पिहू रानी ने शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए। सामाजिक विज्ञान में दिव्यांशी गौर और पिहू रानी ने 99 प्रतिशत, अंग्रेजी में ताशी सिसोदिया ने 98 प्रतिशत, हिंदी में पिहू रानी ने 97 प्रतिशत, पंजाबी में इक्षुला आर्य ने 99 प्रतिशत तथा आईटी में ताशी सिसोदिया ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। विद्यालय के प्रबंधन एवं प्रधानाचार्य ने इस शानदार उपलब्धि पर सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन तथा शिक्षकों के समर्पण का प्रतिफल है। विद्यालय का यह शत-प्रतिशत परिणाम न केवल उसकी शैक्षणिक उत्कृष्टता को दशार्ता है, बल्कि विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सशक्त कदम भी है।

डीपीएस सेक्टर 40 सी ने एक बार फिर कक्षा 10 के शानदार परिणामों से रचा इतिहास

Prisha Sharma

Guntas

Ananya

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/15 अप्रैल। शैक्षणिक उत्कृष्टता की अपनी परंपरा को कायम रखते हुए डीपीएस सेक्टर 40 सी ने एक बार फिर कक्षा 10 के बोर्ड परिणामों में शानदार प्रदर्शन कर सुर्खियां बटोरी हैं। स्कूल की दो मेधावी छात्राओं, अनाया नुसरत जरयाल और प्रिशा शर्मा, ने 500 में से 499 अंक हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया है।

उनकी यह उपलब्धि न केवल उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण को दशार्ती है, बल्कि स्कूल द्वारा प्रदान किए गए मजबूत शैक्षणिक माहौल और मार्गदर्शन को भी प्रतिबिंबित करती है। दोनों छात्राओं ने उत्कृष्टता का नया मानदंड स्थापित करते हुए अपने साथियों और जूनियर्स को ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया है।

स्कूल की इस सफलता में एक और प्रेरणादायक नाम गुंतास कौर संधू का भी जुड़ता है, जिन्होंने कक्षा 10 में 93.2% अंक प्राप्त कर अकादमिक और खेल के बीच बेहतरीन संतुलन का उदाहरण प्रस्तुत किया। उनकी उपलब्धि इसलिए और भी खास है क्योंकि उन्होंने न्यूजीलैंड में आयोजित एक गोल्फ टूनार्मेंट से लौटने के मात्र 30 मिनट बाद ही गणित की परीक्षा दी। राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार जीत चुकी गुंतास अनुशासन, समय प्रबंधन और दृढ़ता की मिसाल हैं। उनकी सादगी और मेहनत उन्हें साथियों के लिए प्रेरणा और डीपीएस, चंडीगढ़ का गौरव बनाती है।

अपनी खुशी व्यक्त करते हुए स्कूल की निदेशक रीमा देवान ने कहा, 'हमें अनाया, प्रिशा और गुंतास की शानदार उपलब्धियों पर बेहद गर्व है। उनका समर्पण, अनुशासन और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता उन मूल्यों को दशार्ती है जिन्हें हम डीपीएस में स्थापित करने का प्रयास करते हैं। ऐसी उपलब्धियां पूरे स्कूल समुदाय को आगे बढ़ने और उत्कृष्टता की दिशा में निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित करती हैं।' स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को इस उल्लेखनीय सफलता पर बधाई देते हुए भविष्य में भी ऐसे ही उत्कृष्ट परिणामों की कामना की और प्रतिभाओं को निखारने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस तरह की निरंतर उपलब्धियां डीपीएस सेक्टर 40 सी को शैक्षणिक उत्कृष्टता का केंद्र बनाती हैं, जहां हर वर्ष प्रतिभाशाली विद्यार्थी नए कीर्तिमान स्थापित करते हैं।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

जिस घर में स्त्री का सम्मान नहीं, उस घर में लक्ष्मी भी रहना पसंद नहीं करती।

जिस घर में स्त्री को सम्मान नहीं दिया जाता, वहां सुख-समृद्धि कभी स्थायी नहीं रह सकती। हमारी संस्कृति में स्त्री को लक्ष्मी का रूप माना गया है, जो घर में खुशहाली, शांति और समृद्धि लाती है। लेकिन जब उसी स्त्री को अपमान, दुख या अत्याचार सहना पड़ता है, तो वह घर धीरे-धीरे अशांति और कष्टों से भर जाता है। स्त्री केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि परिवार की नींव होती है। वह अपने प्रेम, त्याग और समर्पण से घर को जोड़कर रखती है। यदि उसे ही दुख दिया जाए, तो घर की एकता और खुशियां खत्म होने लगती हैं। ऐसे घरों में अक्सर तनाव, कलह और आर्थिक परेशानियां बनी रहती हैं। इसके विपरीत, जहां स्त्री का सम्मान होता है, उसकी भावनाओं को समझा जाता है और उसे समान अधिकार दिए जाते हैं, वहां सच्ची लक्ष्मी का वास होता है। ऐसे घरों में प्रेम, सहयोग और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने घर की स्त्रियों का सम्मान करें, उन्हें खुश रखें और उनके योगदान को समझें। यही सच्ची समृद्धि का मार्ग है और यही हमारे संस्कारों की पहचान भी।

CBSE 10वीं रिजल्ट घोषित, मुदित जैन पंजाब टॉपर, लुधियाना रीजन में 95.70% स्टूडेंट्स पास

लुधियाना/यूटर्न/15 अप्रैल। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने 10वीं सेशन-1 का रिजल्ट जारी कर दिया है। लुधियाना रीजन के करीब 1.20 लाख विद्यार्थियों ने 10वीं कक्षा की परीक्षा सेशन-1 में हिस्सा लिया। इसमें से 95.70 प्रतिशत छात्रों ने सफलता पाई है। ऑवरऑल रिजल्ट

में लुधियाना रीजन को 9वां स्थान मिला है। वहीं, अमृतसर के छात्र मुदित जैन को पूरे 100 प्रतिशत मार्क्स मिले हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने रट्टा मारकर पढ़ाई नहीं की। जितना पढ़ा, उतना मन लगाकर पढ़ा। स्टूडेंट्स अपना रिजल्ट सीबीएसई की ऑफिशयल वेबसाइट के अलावा उमंग एप पर भी देख सकते हैं। सीबीएसई ने 10वीं कक्षा की मेरिट लिस्ट जारी नहीं की है। साथ ही स्कूल प्रिंसिपल्स को सख्त हिदायतें दी हैं कि वे स्कूल टॉपर्स भी घोषित न करें। हालांकि, लुधियाना के स्कूल प्रिंसिपल्स ने अच्छे अंक हासिल करने वाले स्टूडेंट्स को स्कूलों में बुलाना शुरू कर दिया।

आयुष अग्रवाल ने जगराओं में टॉप किया

सेक्रेड हार्ट कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल के आयुष अग्रवाल ने 99.6% नंबर लाकर जगराओं शहर में पहला स्थान हासिल किया। पोते के बेहतरीन प्रदर्शन पर दादी तृप्ता देवी ने उन्हें लड्डू खिलाया। पिता आकाशदीप और माता आंचल भी उनके साथ।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

Delay in filing case — कितना नुकसान करता है?

कानून में समय का बहुत महत्व होता है, और हर केस के लिए एक निर्धारित समय सीमा (limitation period) होती है। यदि कोई व्यक्ति तय समय के भीतर केस दाखिल नहीं करता, तो उसका मामला अदालत में खारिज भी हो सकता है। इसे Limitation Act के तहत नियंत्रित किया जाता है। उदाहरण के तौर पर, कुछ मामलों में 3 साल, कुछ में कम या ज्यादा समय सीमा होती है। समय बीत जाने के बाद व्यक्ति को अपने अधिकारों से वंचित होना पड़ सकता है। हालांकि कुछ परिस्थितियों में अदालत देरी को माफ (condone) कर सकती है, लेकिन इसके लिए उचित कारण (sufficient cause) दिखाना जरूरी होता है। कई लोग देरी करते रहते हैं यह सोचकर कि बाद में केस कर लेंगे, लेकिन कानून में देरी हमेशा नुकसानदायक साबित होती है। निष्कर्ष : समय पर कानूनी कार्रवाई करना अत्यंत आवश्यक है। देरी से न केवल केस कमजोर होता है, बल्कि कई बार अधिकार भी समाप्त हो जाते हैं।

शत प्रतिशत रहा एवीएम स्कूल का आठवीं कक्षा का नतीजा

लुधियाना/यूटर्न/15 अप्रैल। डॉ. ए.वी.एम. पब्लिक स्कूल, नजदीक ईसा नगरी पुली का आठवीं कक्षा का परिणाम हर साल की तरह शत-प्रतिशत रहा। इस बार के नतीजों में भी एक बार फिर से लड़कियों ने बाजी मारते हुए, प्रमुख स्थानों पर कब्जा किया और स्कूल का नाम रोशन किया। स्कूल के प्रबंधक कमेटी के डायरेक्टर राजीव कुमार लवली और प्रिंसिपल मनीषा गाबा ने शानदार नतीजे के लिए सभी विद्यार्थियों और मेहनत स्टाफ को बधाई दी। इस परीक्षा में 103 विद्यार्थियों में से अनशिका ने 89 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि सोनाक्षी और जानवी ने 88.6 प्रतिशत अंक लेकर दूसरा

और हिमांशी ने 88.5 प्रतिशत नंबर लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसी तरह, नेहा कुमारी ने 82.6 प्रतिशत अंक से चौथा और ऊर्वी शर्मा ने 81 प्रतिशत अंक लेकर पांचवा स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार बाकी विद्यार्थी 79 से 70 प्रतिशत तक अंक हासिल करने में सफल रहे। इस अवसर पर स्कूल के डायरेक्टर राजीव कुमार लवली, प्रिंसिपल मनीषा गाबा, वाइस प्रिंसिपल अमिता राजन, रूबी, रीमा, अमीषा, गुरलीन कौर, सपना, हर्ष बाला, सोनिया आदि स्टाफ के सदस्यों ने सभी विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

सीबीएसई 10वीं का जलवा: 99% तक अंक, टॉपर्स की चमक से दमके स्कूल

बीसीएम आर्य की गूंज बुलंद — टॉप पर कब्जा, उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित!

लुधियाना/यूटर्न/15 अप्रैल। सीबीएसई कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा 2026 के परिणामों में लुधियाना के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर शहर का नाम रोशन किया है। हालांकि बोर्ड द्वारा कोई आधिकारिक टॉपर सूची जारी नहीं की गई है, लेकिन स्कूल स्तर पर घोषित परिणामों में छात्रों ने 95% से 99% तक अंक हासिल कर उत्कृष्टता का परिचय दिया है। BCM आर्य मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, शास्त्री नगर के विद्यार्थियों ने इस वर्ष भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। स्कूल की छात्रा जैनिका जैन ने 99.8% अंक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया, जबकि अशनूर कौर, मेहरीन कौर और नवधा कुकरेजा ने 99.4% अंक प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन किया। BCM स्कूल (दुगरी शाखा) में भी छात्रों का प्रदर्शन सराहनीय रहा। यहां निशान सिंह, भाव बगला, मेहरप्रीत कौर और अवनीप कौर ने 97.6% अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से टॉप स्थान हासिल किया। भारतीय विद्या मंदिर (बीवीएम), ऊधम सिंह नगर के परिणाम भी उत्कृष्ट रहे। यहां ध्वनि और नमन शर्मा ने 97.6% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं अदिति शर्मा ने 97.4% और हरसीरत कौर ने 97.2% अंक प्राप्त कर क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। इसके अलावा कुंदन विद्या मंदिर, डीएवी पब्लिक स्कूल, बीआरएस नगर और दिल्ली पब्लिक स्कूल, लुधियाना के विद्यार्थियों ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 95% से अधिक अंक प्राप्त किए और स्कूलों का परिणाम शत-प्रतिशत के करीब रहा।

सीबीएसई 10वीं में बीवीएम का जलवा, 100% परिणाम से बढ़ाया मान

लुधियाना/यूटर्न/15 अप्रैल। भारतीय विद्या मंदिर (बीवीएम), ऊधम सिंह नगर के विद्यार्थियों ने सीबीएसई द्वारा आयोजित कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा (सत्र 2025-26) में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर खुशी और उत्साह से भर गया। विद्यालय का परीक्षा परिणाम इस वर्ष 100 प्रतिशत रहा। कुल 159 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से 33 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। परिणामों में ध्वनि और नमन शर्मा ने संयुक्त रूप से 97.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं अदिति शर्मा ने 97.4 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि हरसीरत कौर ने 97.2 प्रतिशत अंक लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय की प्रबंधन समिति के सदस्यों ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

93.70 प्रतिशत छात्र पास हुए; दक्षिणी क्षेत्र में पास होने की दर ज्यादा रही

चंडीगढ़/यूटर्न/15 अप्रैल। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने 15 अप्रैल को क्लास 10 की परीक्षा 2026 (फेज 1) के नतीजे घोषित कर दिए हैं। सीबीएसई क्लास 10 (सभी विषयों) में पास होने का कुल प्रतिशत 2026 में पिछले साल के मुकाबले थोड़ा बेहतर रहा। पिछले साल, पास होने का प्रतिशत 93.66 प्रतिशत दर्ज किया गया था। 2026 में, परीक्षा देने वाले छात्रों की संख्या बढ़कर 24,71,777 हो गई, जिनमें से 23,16,008 छात्र पास घोषित किए गए; इससे पास होने का कुल प्रतिशत थोड़ा बढ़कर 93.70 प्रतिशत हो गया, जो प्रदर्शन में एक स्थिर रुझान को दिखाता है। सीबीएसई क्लास 10 की परीक्षाओं के 2026 के पहले सत्र के नतीजों में, कई क्षेत्रों में पास होने का प्रतिशत असाधारण रूप से ज्यादा रहा। त्रिवेंद्रम और विजयवाड़ा 99.79 प्रतिशत की शानदार पास दर के साथ सूची में सबसे ऊपर रहे, और उनके ठीक बाद 99.58 प्रतिशत के साथ चेन्नई का स्थान रहा। बेंगलुरु ने भी 98.91 प्रतिशत के साथ मजबूत प्रदर्शन किया। वहीं, राष्ट्रीय राजधानी के क्षेत्रों, जैसे दिल्ली पश्चिम और दिल्ली पूर्व में, पास होने का प्रतिशत क्रमशः 97.45 प्रतिशत और 97.33 प्रतिशत दर्ज किया गया। यहाँ उन क्षेत्रों पर एक नजर डाली गई है जिन्होंने पिछले पाँच सालों में लगातार सबसे ज्यादा पास प्रतिशत दर्ज किया है।

बेंगलुरु और चेन्नई भी रहे अव्वल...पिछले साल, त्रिवेंद्रम और विजयवाड़ा ने संयुक्त रूप से 99.79 प्रतिशत पास प्रतिशत के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जिसके बाद बेंगलुरु (98.90 प्रतिशत) और चेन्नई (98.71 प्रतिशत) का स्थान रहा। पुणे और अजमेर ने टॉप पाँच में अपनी जगह बनाई। दिल्ली के इलाकों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया; दिल्ली पश्चिम (95.24 प्रतिशत) और दिल्ली पूर्व (95.07 प्रतिशत) चंडीगढ़ और पंचकूला के साथ टॉप 10 में शामिल रहे।

त्रिवेंद्रम सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला क्षेत्र बना...पिछले पाँच सालों में, त्रिवेंद्रम सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला क्षेत्र बना रहा है, जिसने हर साल लगभग-पूर्ण पास प्रतिशत बनाए रखा है। बेंगलुरु और चेन्नई भी लगातार शीर्ष तीन में शामिल रहे हैं, जो इन क्षेत्रों में सीबीएसई से जुड़े स्कूलों में मजबूत शैक्षणिक परिणामों को दशार्ता है। डेटा शीर्ष पर स्थिरता दिखाता है, खासकर त्रिवेंद्रम के लिए, जो पाँचों सालों में 99.7-99.9 प्रतिशत के आसपास बना रहा। बेंगलुरु और चेन्नई उसके ठीक पीछे रहे, दोनों ने ज्यादातर सालों में 98 प्रतिशत से काफी ऊपर पास दर बनाए रखी।

दक्षिणी इलाकों का दबदबा साफ...पिछले सालों के नतीजों पर गहराई से नजर डालने पर दक्षिणी इलाकों का दबदबा साफ दिखता है। त्रिवेंद्रम 2024, 2023, 2022 और 2021 में लगातार पहले नंबर पर रहा, जबकि बेंगलुरु और चेन्नई अक्सर दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। अजमेर और पुणे भी लगातार टॉप पाँच में शामिल रहे हैं, हालाँकि 2021 में दर्ज किए गए लगभग-परफेक्ट स्कोर की तुलना में उनके पास प्रतिशत में धीरे-धीरे गिरावट आई है। वहीं, पटना, भुवनेश्वर, चंडीगढ़ और पंचकूला जैसे इलाके नियमित रूप से टॉप 10 की सूची में शामिल रहे हैं, जो उनके स्थिर शैक्षणिक प्रदर्शन को दशार्ता है।

स्प्रिंग डेलियंस ने सीबीएसई दसवीं की परीक्षाओं में मारी शानदार बाजी

लुधियाना/यूटर्न/15 अप्रैल। स्प्रिंग डेल पब्लिक स्कूल के दसवीं कक्षा के बच्चों ने हर बार की तरह इस बार भी सीबीएसई बोर्ड की परीक्षाओं में शानदार परिणाम देकर अपना, अपने माता-पिता और स्कूल का नाम रोशन किया है। बच्चों के शानदार परिणाम आने से स्कूल की शोभा बढ़ गई और चारों ओर खुशियों की लहर दौड़ गई। पहले तीन स्थानों पर रहने वाले विद्यार्थी टॉपर्स (कक्षा दसवीं): मनजोत कौर झ 97.8% (प्रथम), गुरलीन कौर झ 97.6% (द्वितीय), श्रेया बंसल झ 97.4% (तृतीय),90% और उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी:कनिका शर्मा (97.2%), सेजल शर्मा (97.2%), सीरत (97%), भवजीत सिंह (96.8%), सिमरन जायसवाल (96%), गुरनूर कौर (95.6%), नवलीन कौर (95.4%), रिया भंडारी (94.4%), अमेहा डोगरा (93.6%), मनमीत वर्मा (92.8%), आरुषि वर्मा (92.6%), सार्थक (92.2%), दृष्टि (91.6%), अलीन रिजवी (91.2%), मेहजाबीन खातून (91%), कुंवर (91%), नैन्सी राणा (90.8%), मनवीर कौर (90.8%), नैना शर्मा (90.4%) तथा रिया चौहान (90.2%)। इस अवसर पर स्कूल की माननीय चेयरपर्सन अविनाश कौर वालिया ने सभी बच्चों के शानदार प्रदर्शन पर उन्हें बधाई दी।

डी.ए.वी. पखोवाल रोड के सितारों ने रचा इतिहास, दसवीं के परीक्षा परिणाम में रहा शत-प्रतिशत दबदबा

Samridh Kapoor

Aditya Veram

Jaspreet Singh

Aryan Sharma

Varun Gupta

Rashmi Singh

लुधियाना/यूटर्न/15 अप्रैल। डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, पखोवाल रोड, लुधियाना ने एक बार फिर शैक्षणिक क्षेत्र में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है। सत्र 2025-26 के सीबीएसई कक्षा दसवीं के परिणामों में स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 100% सफलता हासिल की है। इस उपलब्धि के साथ स्कूल ने शहर के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में अपना स्थान और भी मजबूत कर लिया है।प्रतिभा का प्रदर्शन: संयुक्त रूप से दो छात्र रहे स्कूल टॉपर घोषित परिणामों में स्कूल के सत्कर्ण सिंह और दिव्यम कैला ने अपनी असाधारण प्रतिभा का परिचय देते हुए 99.2% अंक प्राप्त किए और संयुक्त रूप से स्कूल में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं जशित मित्तल ने 99% अंकों के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त कर गौरव बढ़ाया।तीसरे स्थान पर कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जहाँ तीन विद्यार्थियों—आराध्या मिश्रा, ईशान उप्पल और यतीश बत्रा—ने 98.8% अंकों के साथ स्कूल रैंक- III साझा किया।

लंबे समय से आउटसोर्सिंग पर काम कर रहे कर्मचारियों को राहत, हाईकोर्ट ने नियमितीकरण पर दिया बड़ा फैसला

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/15 अप्रैल। वर्षों से आउटसोर्सिंग व्यवस्था के तहत काम कर रहे कर्मचारियों के लिए पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट का अहम फैसला सामने आया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि केवल कागजी अनुबंधों के आधार पर कर्मचारियों को उनके वैधानिक अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता। यदि कोई कर्मचारी लंबे समय से किसी सरकारी संस्था के नियंत्रण और निगरानी में कार्य कर रहा है, तो उसे वास्तविक रूप से उसी संस्था का कर्मचारी माना जाएगा। यह फैसला जस्टिस हरप्रीत सिंह बराड़ की एकल पीठ ने तीन याचिकाओं की संयुक्त सुनवाई के बाद सुनाया। अदालत ने बठिंडा नगर निगम को निर्देश दिया कि

याचिकाकताओं की सेवाएं छह सप्ताह के भीतर नियमित की जाएं, अन्यथा उन्हें स्वत: नियमित माना जाएगा। मामले में एक क्लर्क-कम-डाटा एंट्री ऑपरेटर का उदाहरण सामने आया, जो वर्ष 2010 से लगातार कार्यरत था। हालांकि समय-समय पर आउटसोर्सिंग एजेंसियां बदलती रहीं, लेकिन कर्मचारी का कार्य, नियंत्रण और पर्यवेक्षण नगर निगम के अधीन ही रहा। अदालत ने कहा कि असली नियोक्ता वही है, जो कर्मचारी के कामकाज पर वास्तविक नियंत्रण रखता है।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि आउटसोर्सिंग एजेंसियां केवल माध्यम हो सकती हैं, लेकिन इनके जरिए वास्तविक रोजगार संबंधों को छिपाया नहीं जा सकता। अदालत ने 'कॉन्ट्रैक्चुअल व्यवस्था के पर्दे को हटाने' की जरूरत बताते हुए कहा कि वास्तविक स्थिति को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। फैसले में यह भी कहा गया कि जिन कर्मचारियों ने वर्ष 2016 से पहले तीन वर्ष की निरंतर सेवा पूरी कर ली थी, उन्हें संविदात्मक दर्जा मिलना चाहिए। इसी आधार पर संबंधित याचिकाकर्ता को 24 दिसंबर 2016 से संविदा कर्मचारी मानने का निर्देश दिया गया।

हाई कोर्ट ने राज्य सरकारों की उस प्रवृत्ति पर भी टिप्पणी की, जिसमें स्थायी प्रकृति के कार्यों के बावजूद कर्मचारियों को अस्थायी या आउटसोर्स आधार पर रखा जाता है। अदालत ने इसे संविधान के अनुच्छेद 14, 16 और 21 के विपरीत बताते हुए कहा कि वित्तीय तंगी का हवाला देकर कर्मचारियों के अधिकारों से इनकार नहीं किया जा सकता।

अटावा के विद्यार्थियों के लिए स्कॉलरशिप वितरण कार्यक्रम

180 जरूरतमंद बच्चों को बांटी स्कूल बैग, पेंसिल, रबर के साथ-साथ ड्राइंग की किताबें

चंडीगढ़/यूटर्न/15 अप्रैल। शिक्षा को बढ़ावा देने और छोटे बच्चों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से गांव अटावा में समाजसेवी संस्था नेचर नाइन फाउंडेशन द्वारा वार्ड नम्बर 24 के पार्षद जसबीर सिंह बंटी के सहयोग से सेक्टर 42 के कम्युनिटी सेन्टर में पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए स्कॉलरशिप वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में अभिभावकों और बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर

नीरज सूद- प्रधान, नेचर नाइन फाउंडेशन, नेहा गोयल-जनरल सेक्रेटरी, नेचर नाइन फाउंडेशन, मलकीत सिंह, पारस, कीकर सिंह, देव और राजकुमार सहित आर एस तोमर मौजूद थे।

इस योजना के तहत 31 मार्च 2026 तक फॉर्म भरवाए गए थे, जिसमें लगभग 180 बच्चों का पंजीकरण हुआ। इस अवसर पर सभी बच्चों को स्कूल बैग, किताबें, पेंसिल, रबर के साथ-साथ ड्राइंग की किताबें भी वितरित की गई, ताकि बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को भी प्रोत्साहन मिल सके।

पार्षद जसबीर सिंह बंटी ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करना और उनके अभिभावकों को सहयोग प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि यह केवल स्कॉलरशिप वितरण नहीं, बल्कि बच्चों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का एक माध्यम है। उन्होंने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए घोषणा की कि अगले वर्ष जिन विद्यार्थियों के 80% से अधिक अंक आएंगे, उन्हें स्कॉलरशिप के साथ विशेष इनाम भी दिया जाएगा, ताकि बच्चे अपने परिवार, वार्ड और शहर का नाम रोशन कर सकें।

कार्यक्रम में समाज के विभिन्न गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। जिनमें प्रधान राजकुमार शर्मा, अरुण अग्रवाल, शिव कुमार, राजू तिवारी, पवन सिंह, विनोद कौशल, बालकृष्ण आदि प्रमुख रूप से शामिल थे। यह पहल समाज के कल्याण और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

वर्क वीजा दिलाने का झांसा देकर लाखों की ठगी, सेक्टर-17 की इमिग्रेशन फर्म पर केस दर्ज

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/15 अप्रैल। विदेश भेजने और वर्क वीजा दिलाने का सपना दिखाकर लोगों से लाखों रुपये ठगने का मामला सामने आया है। सेक्टर-17 स्थित एक इमिग्रेशन कंपनी के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि कंपनी ने पांच लोगों से करीब 9 लाख रुपये वसूल लिए, लेकिन न तो वीजा दिलाया और न ही पैसे लौटाए। पुलिस के अनुसार 'द वीजा कैपिटल' नामक फर्म ने सोशल मीडिया के जरिए लोगों को विदेश में नौकरी दिलाने के विज्ञापन दिए थे। शिकायतकर्ता अंबाला निवासी सुनील कुमार ने बताया कि विज्ञापन देखने के बाद उन्होंने कंपनी से संपर्क किया, जिसके बाद उन्हें चंडीगढ़ ऑफिस बुलाया गया। 23 मई 2025 को ऑफिस पहुंचने पर कंपनी के कर्मचारियों जग रूप सिंह और सतकार सिंह ने उन्हें लक्समबर्ग वर्क वीजा का भरोसा दिलाया। आरोप है कि पूरी प्रक्रिया के लिए 3 लाख रुपये खर्च बताया गया और डेढ़ लाख रुपये एडवांस मांगे गए। शिकायतकर्ता के अनुसार दस्तावेज जमा करवाने के दौरान उनसे 5 हजार रुपये प्रोसेसिंग फीस ली गई, लेकिन कोई रसीद नहीं दी गई। इसके बाद उनका मेडिकल करवाया गया और कथित जॉब ऑफर लेटर देकर विदेश में नौकरी की गारंटी बताई गई।

देहांत के बाद आंखें और बॉडी दान, भारत विकास परिषद ने परिवार को किया सम्मानित

डेरा बस्सी में भोग समारोह के दौरान समाज सेवा का दिया संदेश, कई लोगों ने जताई दान की इच्छा

डेराबस्सी/यूटर्न/15 अप्रैल। डेराबस्सी में समाज सेवा की मिसाल पेश करते हुए 90 वर्षीय श्री देव प्रकाश निश्चल के देहांत के बाद उनके परिवार द्वारा आंखें और शरीर दान करने का सराहनीय कदम उठाया गया। इस नेक कार्य के लिए भारत विकास परिषद, विवेकानंद डेराबस्सी द्वारा भोग समारोह के अवसर पर परिवार को सम्मानित किया गया। परिषद की ओर से स्वर्गीय निश्चल जी की पत्नी और बेटी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस मौके पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए बरखा राम ने आंखें और बॉडी डोनेट करने के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी को इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित किया।

परिषद के प्रधान नितिन जिंदल और सेक्रेटरी अश्वनी शर्मा ने परिवार का इस महान कार्य के लिए आभार जताया और भोग में पहुंचे सभी लोगों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने इस नेक पहल की सराहना की और कई लोगों ने भविष्य में अंगदान व देहदान के लिए अपना रजिस्ट्रेशन करवाने की इच्छा भी जाहिर की। इस अवसर पर परिषद के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे, जिनमें कैशियर जे.पी. धीमान, एनवायरनमेंट कन्वीनर ईस्ट बरखा राम, जिला सेवा संयोजक उपेश बंसल, विनोद रैना और अविनाश त्यागी शामिल रहे। परिवार द्वारा भारत विकास परिषद, विवेकानंद डेराबस्सी के माध्यम से स्वर्गीय निश्चल जी की बॉडी और आंखें जीएमसीएच सेक्टर-32 चंडीगढ़ को दान की गई, जिससे कई लोगों को नई जिंदगी मिलने की उम्मीद है।

हल्लोमाजरा में अवैध कब्जों पर प्रशासन की कार्रवाई, कबाड़ियों के अस्थायी ढांचे हटाए गए

चंडीगढ़/यूटर्न/15 अप्रैल। शहर में अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने बुधवार सुबह बड़ी कार्रवाई करते हुए हल्लोमाजरा क्षेत्र में अवैध कब्जों पर बुलडोजर चलाया। लंबे समय से कब्जा कर बनाए गए कबाड़ियों के अस्थायी ढांचों को टीम ने ध्वस्त कर दिया। सुबह प्रशासनिक अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। कार्रवाई शुरू होते ही स्थानीय लोगों ने विरोध जताया, जिसके बाद पुलिस ने मोर्चा संभालते हुए स्थिति को नियंत्रित किया और प्रशासनिक टीम को अभियान जारी रखने में सहयोग दिया। अधिकारियों ने बताया कि सार्वजनिक स्थानों और सरकारी जमीन पर अवैध कब्जों को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शहर के अलग-अलग इलाकों में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे। वहीं, मौके पर मौजूद कुछ लोगों का कहना था कि इस तरह की कार्रवाई पहले भी हो चुकी है, लेकिन कुछ समय बाद दोबारा कब्जे हो जाते हैं। लोगों ने स्थायी समाधान की मांग उठाई।

आप सांसद अशोक मित्तल पर ईडी की रेड, जालंधर-फगवाड़ा, गुरुग्राम में एलपीयू-फार्म हाउस में जांच

जालंधर/यूटर्न/15 अप्रैल। बुधवार को पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल के 9 ठिकानों पर एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने रेड की। सुबह साढ़े 7 बजे दिल्ली से ईडी की टीमें जालंधर में उनके घर, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) और गुरुग्राम समेत अन्य ठिकानों पर पहुंचीं। जांच चल रही है। घर के बाहर पुलिस फोर्स तैनात की गई है। अशोक मित्तल इस वक्त अपने जालंधर स्थित घर में मौजूद हैं। ईडी सूत्रों के मुताबिक यह मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा मामला है। जिसे अशोक मित्तल और उनके बेटे से जोड़ा जा रहा है। इस रेड के बाद आप नेताओं ने बीजेपी को घेरा। सीएम भगवंत मान ने लिखा- भाजपा की पंजाब चुनाव की तैयारी शुरू। टिपिकल मोदी स्टाइल। इस पर केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने जवाब देते हुए लिखा- आपकी पार्टी तो चोरों और लुटेरों की पार्टी है। गंदगी साफ होगी।

राघव चड्ढा को हटा डिप्टी लीडर बनाते ही एक्शन

12 दिन पहले चड्ढा को हटाया

करीब 12 दिन पहले आम आदमी पार्टी ने सांसद राघव चड्ढा को राज्यसभा के उपनेता पद से हटा दिया था। इसके बाद अशोक मित्तल को उपनेता बनाया गया। अशोक पंजाब की लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के फाउंडर और चांसलर हैं। 2022 में राज्यसभा सांसद बने थे। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि अशोक मित्तल पर ईडी की रेड के पीछे राघव चड्ढा है। हालांकि चड्ढा ने अभी इसको लेकर कुछ नहीं कहा है।

गुरुग्राम के DLF बिल्डिंग में सर्च ऑपरेशन चला

गुरुग्राम के साइबर पार्क के दो टावरों में बने ऑफिस में रेड की गई। इसी बिल्डिंग में अशोक मित्तल के मास्टर्स यूनियन स्कूल ऑफ बिजनेस का ऑफिस है। एक ऑफिस टावर के ग्राउंड फ्लोर हैं, जबकि एक अन्य टावर की चौथी मंजिल पर की गई रेड। सूत्रों की मानें तो सुबह सुबह ईडी की टीम तलाशी के लिए DLF बिल्डिंग में पहुंची। यहां मास्टर्स यूनियन स्कूल ऑफ बिजनेस के ऑफिस में कई घंटों तक तलाशी अभियान चला।

सीएम ने लिखा- टिपिकल मोदी स्टाइल... सीएम भगवंत मान ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि भाजपा द्वारा पंजाब चुनाव की तैयारी शुरू आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल के घर और यूनिवर्सिटी में ईडी की रेड.. टिपिकल मोदी स्टाइल..। हम वो पत्ते नहीं, जो शाख से टूट कर गिर जाएंगे। आंधियों को कह दो अपनी औकात में रहे। अरविंद केजरीवाल ने कहा- मोदी जी ने पंजाब में चुनावों की तैयारी शुरू कर दी। लेकिन पंजाब के लोग ये बर्दाश्त नहीं करेंगे। बीजेपी को इसका करारा जवाब देंगे।

पंजाब सरकार ने राघव चड्ढा की सुरक्षा छीनी, आप का दावा- केंद्र से Z प्लस सिक्योरिटी मिलेगी

पंजाब/यूटर्न/15 अप्रैल। आम आदमी पार्टी (आप) और उसके राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के बीच का विवाद और बढ़ गया है। पंजाब की सीएम भगवंत मान की अगुआई वाली आप सरकार ने राघव चड्ढा की सिक्योरिटी छीन ली है। पंजाब के सहप्रभारी, सांसद और राज्यसभा में उपनेता होने के नाते राघव चड्ढा को पंजाब पुलिस की सिक्योरिटी मिली थी। आम आदमी पार्टी के दिल्ली के नेता सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया एक्स पर दावा किया कि राघव चड्ढा को केंद्र सरकार ने जेड प्लस सिक्योरिटी दे दी है। केंद्र सरकार आखिर राघव चड्ढा पर इतनी मेहरबान क्यों है? हालांकि, चड्ढा के करीबी सोर्सेज के मुताबिक अभी उन्हें केंद्र से सुरक्षा नहीं मिली है। जानकारी के मुताबिक उन्हें जल्द केंद्रीय सुरक्षा मिल सकती है। तब तक उन्हें दिल्ली पुलिस की सिक्योरिटी दी जा सकती है। 2 हफ्ते पहले आप ने राघव चड्ढा को राज्यसभा में पार्टी उपनेता के पद से हटाकर दूसरे सांसद अशोक मित्तल को यह पद दे दिया था। उसके बाद से ही आप और राघव चड्ढा के बीच खूब बयानबाजी भी चली।

उपनेता पद से हटाया गया

आम आदमी पार्टी ने 2 अप्रैल को राघव चड्ढा को राज्यसभा में पार्टी के उपनेता के पद से हटा दिया। उनकी जगह पंजाब के सांसद अशोक मित्तल को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। आप ने राज्यसभा सचिवालय को सूचित किया कि राघव चड्ढा को अब सदन में बोलने के लिए पार्टी कोटे से समय न दिया जाए।

राघव बोले- मुझे खामोश किया गया, हारा नहीं हूं

चड्ढा ने इस पर नाराजगी जताते हुए कहा- मुझे खामोश करवाया गया है, लेकिन मैं हारा नहीं हूं। जिन लोगों ने पार्लियामेंट में मेरे बोलने का अधिकार मुझसे छीन लिया, मुझे खामोश कर दिया, मैं उन्हें भी कुछ कहना चाहता हूं। मेरी खामोशी को मेरी हार मत समझ लेना। मैं वो दरिया हूं, जो वक्त आने पर सैलाब बनता है।

265 ग्राम हेरोइन सहित एक आरोपी गिरफ्तार

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/15/अप्रैल। जिला लुधियाना (देहाती) में नशे के खिलाफ चल रही मुहिम के तहत थाना सिटी जगरांव की पुलिस ने एक व्यक्ति को 265 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा साझा की गई रिपोर्ट के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान मनजीत सिंह उर्फ मनजीती पुत्र बलवंत सिंह निवासी गांव शेरवाला, थाना सिद्धवां बेट के रूप में हुई है। उसके कब्जे से 265 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। इस संबंध में थाना सिटी जगरांव में एन.डी.पी.एस. एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को माननीय अदालत में पेश कर 3 दिन का रिमांड हासिल किया है।

नगर परिषद का कार्यकाल समाप्त, कांग्रेस ने चुनावी तैयारियां कीं तेज

जीरकपुर/यूटर्न/15 अप्रैल। नगर परिषद का कार्यकाल समाप्त होने के बाद स्थानीय राजनीति में सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी सिलसिले में पार्षद नवतेज सिंह नवां के कार्यालय में एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में कांग्रेस पार्टी के वार्ड पार्षदों, टीम सदस्यों और प्रभारी पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान हल्का डेराबस्सी के कांग्रेस प्रभारी दीपइंदर सिंह ढिल्लों और नगर परिषद जीरकपुर के प्रधान उदेविर सिंह ढिल्लों विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में आगामी नगर परिषद चुनावों को लेकर विस्तार से चर्चा करते हुए पार्टी की रणनीति तय करने पर जोर दिया गया।

घर-घर जाकर बताएंगे विकास कार्य, कार्यकताओं को निर्देश

बैठक के दौरान नेताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने पिछले समय में शहर के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं और आने वाले चुनावों में भी जनता का पूरा समर्थन मिलने की उम्मीद है। कार्यकताओं को निर्देश दिए गए कि वे घर-घर जाकर पार्टी की नीतियों और विकास कार्यों की जानकारी लोगों तक पहुंचाएं, ताकि जनता का विश्वास और मजबूत हो सके।

मजबूत उम्मीदवार उतारने का दावा, एकजुटता पर जोर

कांग्रेस प्रभारी दीपइंदर सिंह ढिल्लों ने कहा कि पार्टी पूरी तैयारी के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी और हर वार्ड में मजबूत उम्मीदवार उतारे जाएंगे। उन्होंने कार्यकताओं से एकजुट होकर पार्टी को मजबूत बनाने के लिए निरंतर मेहनत करने की अपील की। वहीं, नगर परिषद प्रधान उदेविर सिंह ढिल्लों ने कहा कि कांग्रेस हमेशा जनता की उम्मीदों पर खरी उतरी है और आगे भी विकास कार्य जारी रहेंगे। बैठक के अंत में सभी ने एकजुट होकर पार्टी को जीत दिलाने का संकल्प लिया।

सीसीटीवी में अकेली दिखी युवती, पुलिस कर रही कारणों की जांच

मोहाली/यूटर्न/15 अप्रैल। एयरपोर्ट रोड स्थित सिटी सेंटर-2 में बुधवार सुबह एक युवती ने पांचवीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान 24 वर्षीय तान्या निवासी दुर्गा नगर, अंबाला (हरियाणा) के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, युवती बिल्डिंग की पांचवीं मंजिल के बैकसाइड से नीचे गिरी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत उसे जीरकपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस को मौके से युवती की एक्टिवा और बैग बरामद हुआ, जिसमें आधार कार्ड, पैन कार्ड, मोबाइल फोन और टिफिन मिला। आधार कार्ड के जरिए उसकी पहचान की गई, जबकि मोबाइल फोन से उसकी मां से संपर्क किया गया।

'परिवार मौके पर पहुंच गया है और उनके बयान दर्ज किए जा रहे हैं। सीसीटीवी में युवती अकेली दिखाई दे रही है। आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए परिवार से पूछताछ की जा रही है। जांच जारी है।'

— अमनदीप कंबोज, एसएचओ, थाना आईटी सिटी

पुलिस को मिले सीसीटीवी फुटेज में युवती अकेले ही बिल्डिंग की पांचवीं मंजिल पर जाती हुई दिखाई दे रही है। एंट्री गेट पर भी वह स्कूटी पर अकेली आई थी, जिससे प्राथमिक जांच में किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने नहीं आई है।

परिजनों के अनुसार, तान्या अंबाला में एक निजी नौकरी करती थी। घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मॉर्चरी में रखवा दिया है।

लायंस क्लब रोड निर्माण विवाद गमार्या, कांग्रेस-आप आमने सामने

कांग्रेसी लीडरों ने सुबह धक्केशाही और झूठी FIR के लगाए आरोप, दोपहर को नेता इंदी की मजदूरों को पीटते और मंत्री को आपत्तिजनक शब्दावली बोलते वीडियो वायरल

लुधियाना/यूटर्न/15 अप्रैल। पिछले दिनों नगर निगम की और से लायंस क्लब रोड का सग्गू चौक से लेकर हैबोवाल चौक तक का निर्माण शुरू किया है। लेकिन इस निर्माण को लेकर कई दिनों से क्रेडिट वॉर चल रही है। पिछले दिनों के दौरान कई घटनाक्रम हुए। इस दौरान पार्षद पति और कांग्रेस लीडर इंद्रजीत सिंह इंदी द्वारा सड़क का गलत तरीके से निर्माण न होने देने का ऐलान किया। बुधवार सुबह कांग्रेस लीडर व पूर्व पार्षद ममता आशु, पार्षद पति पंकज काका, सनी भल्ला द्वारा आप सरकार पर धक्केशाही करते हुए सड़क सही बनाने और लोगों के हक की बात करने पर इंद्रजीत इंदी पर एफआईआर दर्ज करने के दावे किए गए। उन्होंने कहा कि इंदी ने सिर्फ गलत सड़क बनने का विरोध किया था। लेकिन दोपहर को एक वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हुई। जिसमें इंद्रजीत इंदी रात को सड़क बना रहे मजदूरों को थप्पड़ मारते नजर आ रहे हैं। यहीं नहीं उन्होंने वहां जमकर गालियां दी और साथ ही कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा का नाम लेते हुए अपत्तिजनक शब्दावली तक प्रयोग कर डाली। इस दौरान वहां खड़े एक व्यक्ति ने इसकी वीडियो बना ली। अब यह वीडियो सामने आने के बाद कांग्रेसी लीडरों के गलत एफआईआर दर्ज करने के दावे कहीं न कहीं फेल होते हुए नजर आ रहे हैं।

वीडियों में वर्कर को थप्पड़ मारते दिखे इंद्रजीत इंदी

यह हुआ पूरा वाक्य

दरअसल, कुछ दिन पहले एक समाजसेवी की और से उक्त सड़क निर्माण के दौरान मौके पर जाकर सड़क पर जालियां न डालने का मुद्दा उठाया गया। जिसके बाद मौके पर समाजसेवी और पार्षद पति मनीष शाह में बहस हो गई। फिर शाम को सनी भल्ला मौके पर गए और उन्हें ठेकेदार ने अभी रोड निर्माण शुरू होने और जालियां जरुर डालने की बात कही। फिर अगले दिन मंत्री संजीव अरोड़ा की पत्नी मौके पर पहुंची और काम का जायजा लिया। जिसके बाद इंद्रजीत इंदी मौके पर पहुंचे और ऐलान किया कि अगर सड़क सही ढंग से न बनीं तो वह इसे बनने नहीं देगें। लेकिन नियमों के मुताबिक काम चलता रहा। इंदी के कहने पर भी मशीन बंद न हुई तो वह तैश में आ गए। फिर रात को इंदी दोबारा गए और जाते ही सड़क बना रहे ठेकेदार के वर्करों को पीटना शुरू कर दिया।

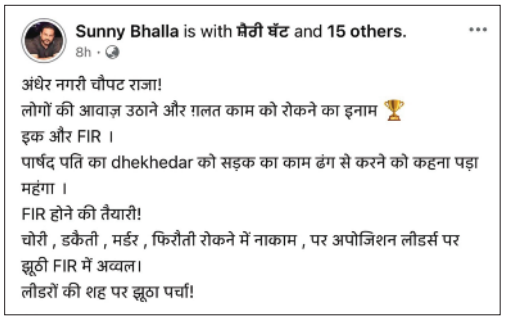

कांग्रेस नेता सनी भल्ला ने भी झूठा पर्चा करने संबंधी डाली गई पोस्ट

हम पर्चों से डरने वाले नहीं है - ममता आशु

वहीं कांग्रेस नेता ममता आशु ने फेसबुक पर लाइव हो कहा कि कांग्रेस के इंद्रजीत इंदी, पंकज काका और सनी भल्ला द्वारा नगर निगम के मुद्दे उठाए जा रहे हैं। इसी के तहत लायंस क्लब रोड गलत तरीके से बनाने का मुद्दा भी उठाया। हमें पता चला है कि इंदी पर एफआईआर दर्ज हो रही है। खराब सड़क बनाने के लिए आवाज उठाई तो पर्चे दर्ज किए जा रहे हैं। लेकिन हम इससे डरने वाले नहीं हैं, हमेशा जनता के लिए खड़े मिलेगें। ममता आशु ने कहा कि मैं मंत्री संजीव अरोड़ा को कहना चाहती हूं कि जितना तश्दत करना है कर लीजिए। मगर हम डरने वाले नहीं है। हम शहरवासियों से अपील करते हैं कि हमारे साथ खड़े। इंदी ने हमेशा लोगों के लिए आवाज बुलंद की है। पहले भी उस पर झूठा पर्चा हुआ और वे पाक साफ होकर निकला। अब भी ऐसे ही होगा।

झूठ बोलकर कांग्रेसी लीडर जनता को गुमराह करने में लगे

इस वीडियो के वायरल होने के बाद आप लीडरों का कहना है कि कांग्रेसी लीडरों को पहले ही पता चल गया था कि इंद्रजीत इंदी द्वारा मजदूर को पीटते हुए सरकारी काम रोकने, गालियां देने और मंत्री खिलाफ गलत शब्दावली प्रयोग करने की वीडियो बन चुकी है। जिसके चलते उन्होंने बुधवार सुबह से ही झूठ बोलकर जनता को गुमराह करने की कोशिश की, ताकि जनता की सिंपथी ले ली जाए और सरकार को किसी तरह बदनाम कर दिया जाए।

गुंडागर्दी पर उतरे कांग्रेस लीडर

वहीं आप लीडरों का कहना है कि हल्कों में विकास कार्य होते देख कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में अपनी हार होती नजर आ रही हैं। जिसके चलते अब वह गुंडागर्दी पर उतर आए हैं। उन्होंने कहा कि इंदी की इस वीडियो ने आप सरकार पर आरोप लगाने वाले बड़े-बड़े लीडरों को मुंह बंद कर दिए हैं। लेकिन अब वे यह न कहने लग जाएं कि यह वीडियो एआई से बनाई गई है। अगर किसी को वहम हो, तो वह इसकी टेस्टिंग भी करवा सकते हैं।

पहले भी बदसलूकी के लिए चर्चा में आ चुके इंदी

बता दें कि कुछ महीने पहले कांग्रेसी लीडरों का निगम जोन-ए बाहर विवाद हो गया था। तब भी इंद्रजीत इंदी की और से एडिशनल कमिश्नर परमदीप सिंह खैरा के साथ बदसलूकी की थी। जबकि उन्हें तेरे पियो हुणें आ, जा करवा लई जेहड़ा पर्चा करोना समेत कई तरह की आपत्तिजनक शब्दावली बोली गई थी। जिसके बाद यह मुद्दा काफी गमार्या था। इसके बाद फिर इंदी पर निगम मुलाजिमों ने पीटने और बदसलूकी के आरोप लगाए थे।

आखिर राजनेताओं के लिए क्यों जरुरी है लायंस क्लब ...दरअसल, लायंस क्लब के साथ 3 वॉर्ड लगते हैं। इस रोड के साथ लगते इलाकें ज्यादातर रिहायशी हैं, जहां पर काफी बड़ा वोट बैंक हैं। वहीं हैबोवाल व हंबड़ा रोड को जाने के लिए यह मुख्य रास्ता माना जाता है। यहां से रोजाना हजारों की गिनती में लोग निकलते हैं। इसी लिए राजनेताओं के लिए यह सड़क अहम है, क्योंकि इसके जरिए बड़ा वोट बैंक अंदर करने का प्रयास है। वहीं इस सड़क को लगते वॉर्डों में ज्यादातर कांग्रेस के पार्षद है, जबकि सरकार आप की है। जिस कारण यह मुद्दा उठा रहा है। वहीं जल्द विधानसभा चुनाव है, जिसके चलते लोगों को अपने हक में लाने का प्रयास हो रहा है।

पुलिस द्वारा समय की पाबंदी न रखने पर पत्रकारों ने किया प्रेस कॉन्फ्रेंस का बहिष्कार

265 ग्राम हेरोइन की बरामदगी के संबंध में बुलाई गई थी प्रेस वार्ता

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/15/अप्रैल। पत्रकारिता और प्रशासन के बीच समन्वय में समय की पाबंदी के महत्व को दशार्ने वाली एक घटना आज थाना सिटी जगरांव में देखने को मिली, जहां पुलिस द्वारा बुलाई गई एक अहम प्रेस कॉन्फ्रेंस का स्थानीय पत्रकारों ने एकजुट होकर बहिष्कार कर दिया। यह विरोध पुलिस अधिकारियों द्वारा मीडिया को दिए गए समय पर न पहुंचने के कारण दर्ज करवाया गया।

पहले से निर्धारित था समय

प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना सिटी जगरांव के प्रभारी इंस्पेक्टर परमिंदर सिंह द्वारा आज शाम 5:00 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस रखी गई थी। यह प्रेस वार्ता सिटी पुलिस द्वारा 265 ग्राम हेरोइन की बड़ी रिकवरी के संबंध में जानकारी साझा करने के लिए बुलाई गई थी। इस संबंध में बाकायदा सूचना थाना प्रभारी द्वारा मीडियाकर्मियों के साथ बनाए गए आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप में पहले ही साझा कर दी गई थी।

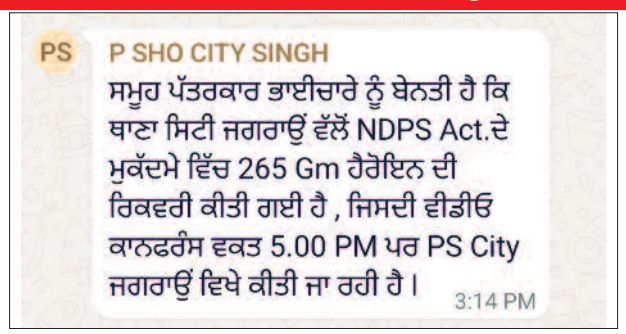

अधिकारी के इंतजार में बीता समय

अपनी पेशेवर जिम्मेदारी निभाते हुए विभिन्न मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधि ठीक शाम 5 बजे थाना सिटी पहुंच गए। मौके पर मौजूद थाना प्रभारी ने पत्रकारों को बताया कि डीएसपी जसविंदर सिंह ढींडसा कुछ ही समय में पहुंच रहे हैं और उनके आने पर ही प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू की जाएगी। करीब आधा घंटा इंतजार करने के बाद जब डीएसपी ढींडसा नहीं पहुंचे, तो थाना प्रभारी और वहां मौजूद पत्रकारों द्वारा उनसे टेलीफोन पर संपर्क किया गया। डीएसपी द्वारा जल्द पहुंचने का भरोसा दिया गया, लेकिन इसके बाद 15 मिनट और बीत जाने पर भी अधिकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल नहीं हुए।

पत्रकारों ने दिखाई एकजुटता, किया बहिष्कार

लगातार इंतजार और समय की बबार्दी को देखते हुए सभी पत्रकारों ने एकजुटता दिखाई और थाना प्रभारी के कार्यालय से बाहर आ गए। मीडिया भाईचारे ने संयुक्त रूप से फैसला लेते हुए इस प्रेस कॉन्फ्रेंस का पूर्ण बहिष्कार कर दिया।

पत्रकारों ने स्पष्ट किया कि मीडियाकर्मी हमेशा पुलिस और प्रशासन द्वारा दिए गए समय का पालन करते हुए कवरेज के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में पुलिस प्रशासन का भी यह प्राथमिक कर्तव्य बनता है कि वे मीडिया के समय की कीमत को समझें और निर्धारित किए गए समय पर उपस्थित रहें ताकि दोनों पक्षों का काम सुचारू रूप से चल सके। यह घटना प्रशासनिक कामकाज में समय की पाबंदी (Punctuality) की आवश्यकता की ओर एक बड़ा इशारा करती है।

2027 तक कुष्ठ रोग मुक्त पंजाब का लक्ष्य, लेकिन 352 सक्रिय मामलों ने बढ़ाई चिंता

चंडीगढ़/यूटर्न/15 अप्रैल। पंजाब सरकार ने वर्ष 2027 तक राज्य में कुष्ठ रोग (लेप्रोसी) के संक्रमण पर पूरी तरह रोक लगाने का लक्ष्य तय किया है, लेकिन मौजूदा आंकड़े बताते हैं कि चुनौती अभी बाकी है। राज्य के 23 जिलों में से अब तक केवल 8 जिले ही संक्रमण की कड़ी तोड़ने यानी इंटरप्शन ऑफ ट्रांसमिशन का दर्जा हासिल कर सके हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पंजाब में इस समय कुष्ठ रोग के कुल 352 सक्रिय मरीज हैं। इनमें 341 मल्टीबैसिलरी और 11 पासीबैसिलरी श्रेणी के मामले शामिल हैं। इसके अलावा 4 मरीजों में ग्रेड-2 विकलांगता पाई गई है, जबकि 5 बच्चे भी मल्टीबैसिलरी श्रेणी में सामने आए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों और विकलांगता वाले मामलों का मिलना इस बात का संकेत है कि कुछ इलाकों में संक्रमण अब भी जारी है और मरीजों की पहचान समय पर नहीं हो रही। जिन जिलों ने संक्रमण नियंत्रण में सफलता पाई है, उनमें फाजिल्का, फिरोजपुर, कपूरथला, मानसा, मुक्तसर, पठानकोट, रूपनगर और संगरूर शामिल हैं। हालांकि अन्य जिलों में अभी अतिरिक्त प्रयासों की जरूरत बनी हुई है। हाल ही में सिविल सर्जनों की बैठक में अधिकारियों ने सुझाव दिया कि 2027 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए साल में दो बार चलने वाले केस डिटेक्शन अभियानों को और प्रभावी बनाया जाए। संवेदनशील जिलों के लिए अलग रणनीति, ग्रेड-2 मामलों का अनिवार्य ऑडिट और स्वास्थ्य केंद्रों पर संदिग्ध मरीजों की जांच बढ़ाने पर जोर दिया गया। स्वास्थ्य विभाग ने यह भी सिफारिश की है कि कुष्ठ रोग को नोटिफाएबल डिजीज घोषित किया जाए, ताकि हर मामले की रिपोर्टिंग अनिवार्य हो सके। निजी डॉक्टरों को भी सभी मामलों की जानकारी जिला कुष्ठ रोग अधिकारियों को देने के निर्देश दिए जाएंगे।

स्कॉर्पियो में मिली कपड़ा कारोबारी की लाश, शीशे टूटे हुए; पुलिस बोली- लाइसेंसी रिवॉल्वर से सिर में गोली मारी

पंजाब/यूटर्न/15 अप्रैल। मोगा जिले के कस्बे धर्मकोट में एक कारोबारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव उसी की स्कॉर्पियो गाड़ी में खून से लथपथ मिला। कारोबारी के सिर में गोली लगी थी और उसकी लाइसेंसी रिवॉल्वर मौके पर ही पड़ी थी। पुलिस ने इस घटना को सुसाइड बताया है। हालांकि, कारोबारी के परिजन का कहना है कि उसकी हत्या की गई है। परिजन का कहना है कि उनके बेटे को कोई परेशानी नहीं थी। उसका कारोबार भी ठीक चल रहा था और घर में कोई दिक्कत नहीं थी। फिर वह सुसाइड क्यों करेगा? उनका कहना है कि बेटा गाड़ी की सर्विस कराने की कहकर गया था। जब वह लौटा नहीं तो उसके छोटे भाई ने जीपीएस सिस्टम से ट्रेस कर उसकी गाड़ी को खोजा। वहां गाड़ी में कारोबारी मृत मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल भेजा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वह हर एंगल से जांच कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, 29 वर्षीय गुरप्रीत सिंह उर्फ गैरी की मौत हुई है। वह धर्मकोट के ही रहने वाले थे और दो बच्चों के पिता थे।

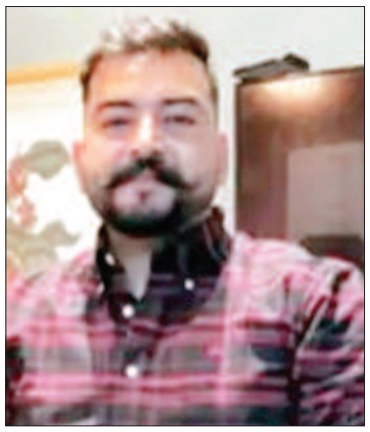

जीपीएस ट्रेक कर पहुंचा छोटा भाई

इसके बाद छोटे भाई ने गाड़ी में लगे जीपीएस सिस्टम के जरिए उसकी लोकेशन ट्रेस की, जो जालंधर बायपास हाईवे पर गांव पंडोरी जाने वाले रास्ते पर मिली। मौके पर पहुंचे तो एक कर्मचारी ने देखा कि गुरप्रीत गाड़ी के अंदर मृत अवस्था में पड़ा था। गाड़ी की सीट और गियर वाली जगह में खून भरा हुआ था। वहीं, गाड़ी का शीशा भी टूटा हुआ था। इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया और कारोबारी के आत्महत्या करने की पुष्टि की।

थाना प्रभारी बोले- लाइसेंसी रिवॉल्वर से गोली मारी

थाना धर्मकोट के प्रभारी इंस्पेक्टर लक्ष्मण सिंह ने बताया कि मृतक ने अपनी .45 बोर की लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मारी है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर रिवॉल्वर बरामद की है। कारोबारी के वाहन को भी कब्जे में ले लिया है। उन्होंने कहा कि परिवार ने बताया है कि गुरप्रीत सिंह पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और परिजन के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। शव का पोस्टमॉर्टम करवाने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

श्रुति हासन का ग्लेमर के साथ फिटनेस का संदेश

मुंबई/यूटर्न/15 अप्रैल। सोशल मीडिया पर सितारों की तस्वीरों को अक्सर सिर्फ मनोरंजन के रूप में देखा जाता है, लेकिन अभिनेत्री श्रुति हासन की हालिया वायरल तस्वीर ने एक नई चर्चा छेड़ दी है। अपनी लेटेस्ट फोटो में श्रुति न केवल बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं, बल्कि उनकी फिटनेस और 'हेल्दी लाइफस्टाइल' युवाओं के लिए एक मिसाल बन रही है।

क्यों है यह 'पब्लिक इंटरेस्ट' का विषय?

आज के दौर में जहां 'बॉडी शेमिंग' और मानसिक स्वास्थ्य एक बड़ी चुनौती है, श्रुति हासन हमेशा से अपनी सेहत और पीसीओएस (ढउडर) जैसी बीमारियों पर खुलकर बात करती रही हैं। उनकी यह नई तस्वीर उनके कड़े अनुशासन और वर्कआउट रूटीन का नतीजा है, जो दशार्ती है कि सही खान-पान और मेहनत से किसी भी उम्र में खुद को फिट रखा जा सकता है।

सोशल मीडिया का सकारात्मक उपयोग

फिल्म जगत के विशेषज्ञों का मानना है कि जब बड़े सितारे अपनी फिटनेस जर्नी साझा करते हैं, तो इसका सीधा असर प्रशंसकों की आदतों पर पड़ता है। श्रुति के इस लुक को देखकर फैंस न केवल उनके स्टाइल की तारीफ कर रहे हैं, बल्कि योग और संतुलित आहार के प्रति भी अपनी रुचि दिखा रहे हैं।

दाउधर में मानवता की सेवा: बैसाखी पर रक्तदान शिविर, दाताओं को उपहार में मिलीं 'दस्तारें'

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/15/अप्रैल। बैसाखी और खालसा साजना दिवस के पावन अवसर पर गाँव दाउधर स्थित गुरुद्वारा हरगोबिंदगढ़ साहिब (पहली और छठी पातशाही) में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर की सबसे खास बात यह रही कि यहाँ रक्तदान करने वाले सभी वीरों और बहनों को 'दस्तार' (पगड़ी) भेंट कर सम्मानित किया गया।

मानवता की सेवा ही गुरु की खुशी

इस अवसर पर खालसा कुलदीप सिंह दाउधर ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि आज के समय में लोग यह भली-भांति समझ चुके हैं कि मानवता की सेवा करना ही गुरु साहब की सच्ची खुशी प्राप्त करना है। उन्होंने कहा, रक्तदान एक खेती की तरह है; जब हमारे पास भंडार होगा, तभी हम जरूरत के समय किसी की जान बचा पाएंगे।

शिविर में बताया गया कि दुर्घटनाओं, गंभीर बीमारियों और प्रसव (डिलीवरी) के दौरान महिलाओं को अक्सर रक्त की कमी का सामना करना पड़ता है। आजकल के खान-पान के कारण युवाओं में भी खून की कमी देखी जा रही है, जिसे देखते हुए ऐसे कैंप लगाना अनिवार्य हो गया है।

इन्होंने निभाया सेवा में योगदान

सम्मान सेवा: रक्तदान करने वाले वीरों, कविता पाठ करने वाले बच्चों और इस वर्ष केश (बाल) रखने वाले बच्चों को दस्तार भेंट की गई। यह सेवा वीर हरकीरत सिंह (कीरत) सुपुत्र सरदार निर्मल सिंह (पट्टी गुरिया) द्वारा निभाई गई।

जलपान सेवा: रक्तदाताओं के लिए फलों की सेवा बूटा सिंह सिद्धू (कनाडा) की ओर से की गई।

मेडिकल सहयोग: यह कैंप शहीद भगत सिंह ब्लड सेवा सोसाइटी (रजि.) मोगा द्वारा मित्तल ब्लड बैंक मोगा के सहयोग से लगाया गया। ब्लड बैंक की ओर से दाताओं को रिफ्रेशमेंट और प्रशस्ति पत्र भी दिए गए।

प्रमुख उपस्थिति

गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार करनैल सिंह खालसा ने भी संगत के साथ रक्तदान की महत्ता पर विचार साझा किए। इस दौरान गुरु का लंगर अटूट बरताया गया।

इस मौके पर खालसा कुलदीप सिंह दाउधर, मेजर सिंह खालसा, चरन सिंह खालसा, जगतार सिंह खालसा, परमिंदर सिंह डिंपल, जगरूप सिंह तारा, कुलदीप सिंह (तबला वादक), इकबाल सिंह खालसा, लवप्रीत सिंह सिद्धू, ज्ञानी जगजीत सिंह (हेड ग्रंथी), सिकंदर सिंह मान और राजिंदर सिंह खालसा सहित भारी संख्या में गणमान्य सज्जन उपस्थित थे।

एक संदेश: आपका दिया हुआ रक्त किसी अनजान व्यक्ति के लिए जीवनदान बन सकता है। आएँ, भ्रमों को त्यागें और इस महान सेवा का हिस्सा बनें।

यूटर्न टाइम

अन्नदाता को नहीं होगी परेशानी: पंग्रेन चेयरमैन डॉ: तेजपाल गिल ने दाखा की मंडियों में शुरू करवाई गेहूं की खरीद

चचराड़ी और हंस कलां अनाज मंडी का किया दौरा, बोले- किसान की फसल का एक-एक दाना खरीदेगी मान सरकार

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/15/अप्रैल। पंजाब सरकार ने इस सीजन में गेहूं की खरीद को लेकर कमर कस ली है। बुधवार को पंग्रेन के चेयरमैन डॉ. तेजपाल सिंह गिल ने विधानसभा हल्का दाखा के अंतर्गत आती चचराड़ी और हंस कलां अनाज मंडियों का औचक दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जहां खरीद प्रबंधों का जायजा लिया, वहीं गेहूं की सरकारी खरीद की औपचारिक शुरूआत भी करवाई।

किसानों के लिए पुख्ता इंतजाम

मंडियों में मौजूद किसानों और आढ़तियों को संबोधित करते हुए डॉ. गिल ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार पिछले 4 सालों से पंजाब को विकास की राह पर ले जा रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मंडियों में किसानों की 'पुत्रों की तरह पाली' फसल के एक-एक दाने की खरीद सुनिश्चित की जाएगी।

'हमारी सरकार किसानों की उपज का उचित मूल्य और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंडियों में सुचारू खरीद और तत्काल लिफ्टिंग के निर्देश दिए जा चुके हैं ताकि किसान को अपनी फसल बेचने में कोई दिक्कत न आए।'

डॉ. तेजपाल सिंह गिल, चेयरमैन, पंग्रेन:पर्यावरण बचाने की अपील:-

चेयरमैन ने किसानों से भावुक अपील करते हुए कहा कि वे गेहूं के अवशेष (नाड़) को आग न लगाएं। उन्होंने कहा कि पराली या अवशेष जलाने से पर्यावरण और भूमि की उपजाऊ शक्ति को भारी नुकसान पहुंचता है, जिसे आने वाली पीढ़ियों के लिए बचाना जरूरी है।

मौके पर मौजूद रहे अधिकारी

इस अवसर पर उनके साथ ए.एफ.एस.ओ. (AFSO) बेअंत सिंह, विभिन्न खरीद एजेंसियों के इंस्पेक्टर, चचराड़ी गांव के सरपंच और बड़ी संख्या में स्थानीय आढ़ती मौजूद रहे। अधिकारियों को सख्त हिदायत दी गई है कि लिफ्टिंग की प्रक्रिया में किसी भी तरह की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पेमेंट: फसल की खरीद के साथ ही किसानों के खातों में सीधी अदायगी का लक्ष्य।

लिफ्टिंग: मंडी में फसल आते ही 48 से 72 घंटों के भीतर उठाव के निर्देश।

सुविधा: गर्मी को देखते हुए मंडियों में पीने के पानी और छांव के विशेष प्रबंध।

सादगी से मनाया गया बाबा साहेब का 135वां जन्मोत्सव

एसएसपी बोले- समानता और न्याय के प्रतीक थे डॉ. अंबेडकर

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/15/अप्रैल। महान समाज सुधारक और भारतीय संविधान के निमार्ता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी का 135वां जन्मोत्सव मंगलवार को जगरांव में बेहद सादगी और श्रद्धा के साथ मनाया गया। सफाई सेवक यूनियन पंजाब के जिला प्रधान अरुण गिल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न वर्गों के लोगों ने शिरकत की।

सादगी का कारण: वृंदावन हादसे का दुख

दरअसल, जगरांव से वृंदावन की धार्मिक यात्रा पर गए श्रद्धालुओं के साथ हुए किश्ती हादसे (दुखद घटना) के कारण आयोजकों ने पहले ही यह संकल्प लिया था कि इस बार बाबा साहेब का जन्मदिन तड़क-भड़क के बजाय सादगी से मनाया जाएगा। इसी के तहत कोई बड़ा जश्न मनाने के बजाय केवल श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए।

मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे SSP:-

समारोह में लुधियाना देहाती के सीनियर

पुलिस कप्तान (रग्ढ) डॉ. अंकुर गुप्ता मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। उन्होंने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए डॉ. गुप्ता ने कहा: 'बाबा साहेब का जीवन हमें समानता, जातिगत भेदभाव मिटाने और मानवाधिकारों की रक्षा की प्रेरणा देता है। आज के दौर में उनकी शिक्षाओं की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है।'

सामाजिक एकता का संदेश

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के योगदान पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। अंत में सफाई सेवक यूनियन के जिला प्रधान अरुण गिल ने सभी मेहमानों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर सेंट्रल वाल्मीकि सभा इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष गेजा राम वाल्मीकि, पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष नगर काउंसिल अमरजीत सिंह मालवा, कुलवंत सिंह सहोता, परमजीत सिंह रिम्पी लद्धड़, कैप्टन नरेश वर्मा, प्रवीण कुमार राणा, अमित कल्याण, राज कुमार और सफाई सेवक यूनियन के सदस्य उपस्थित थे।

दीवान हॉल की नींव रखी, पांच प्यारों ने निभाई रस्म

भाजपा नेता गुरदर्शन सिंह सैणी ने 101 सीमेंट बैग की दी सेवा

डेराबस्सी/यूटर्न/15 अप्रैल। वैसाखी और खालसा साजना दिवस के पावन अवसर पर अंबाला-चंडीगढ़ मुख्य मार्ग स्थित गुरुद्वारा

देहाती श्री गुरु सिंह सभा में एक विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर गुरुद्वारा साहिब के नए बनने वाले दीवान हॉल की नींव पूर्ण गुरमयार्दा के अनुसार रखी गई। दीवान हॉल की नींव रखने की रस्म पांच प्यारों द्वारा अदा की गई। अरदास के उपरांत पांच प्यारों ने अपने कर-कमलों से नींव पत्थर रखकर निर्माण कार्य की शुरूआत की। इस दौरान संगत में भारी उत्साह देखने को मिला और पूरा वातावरण 'बोले सो निहाल' के जयकारों से गूंज उठा।

इस मौके पर हल्का डेराबस्सी के वरिष्ठ भाजपा नेता और समाजसेवी गुरदर्शन सिंह सैणी ने विशेष रूप से शिरकत की। उन्होंने गुरुद्वारा साहिब के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करते हुए दीवान हॉल के निर्माण के लिए 101 सीमेंट के बैग सेवा स्वरूप भेंट किए। गुरदर्शन सिंह सैणी ने कहा कि गुरु घर की सेवा गुरु साहिब के आशीर्वाद से ही प्राप्त होती है और खालसा साजना दिवस जैसे पावन दिन पर इस नेक कार्य का हिस्सा बनना उनके लिए गर्व की बात है। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारियों ने पांच प्यारों और गुरदर्शन सिंह सैणी का तहेदिल से धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि संगत के सहयोग से दीवान हॉल का निर्माण कार्य जल्द पूरा किया जाएगा, जिससे बढ़ती संगत के लिए बड़े धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन सुचारू रूप से किया जा सके। इस अवसर पर जिला प्रधान ओबीसी हरप्रीत सिंह टिंकू, पुष्पिंदर मेहता, सनत भारद्वाज, रिंकू जनेतपुर, मेजर परागपुर, प्रदीप पाल अमलाला सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी, धार्मिक हस्तियां और गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने निर्माण कार्य में बढ़-चढ़कर योगदान देने का संकल्प लिया।

बाबा साहब अंबेडकर जयंती पर आप नेताओं ने दी श्रद्धांजलि, शिक्षा और एकता का दिया संदेश

चंडीगढ़/यूटर्न/15 अप्रैल। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर आम आदमी पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया। इस दौरान नेताओं ने बाबा साहब की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर नमन किया और उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान आप नेता हरप्रीत हैप्पी और अवतार सिंह ने कहा कि हमें बाबा साहब के बताए हुए मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग के बच्चों को उच्च से उच्च शिक्षा मिलनी चाहिए, क्योंकि शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे बच्चा अपने और अपने परिवार का उज्ज्वल भविष्य बना सकता है। नेताओं ने कहा कि बाबा साहब ने संविधान के माध्यम से देश को समानता, न्याय और अधिकारों की राह दिखाई, जिसे आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर सभी उपस्थित लोगों ने एकता, भाईचारे और सामाजिक समरसता का संकल्प लिया।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372